जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 189 प्रभात उदयपुर, बुधवार 13 मई, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

घाटगेट स्थित एसओजी ऑफिस में नीट यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम पहुंची। एसओजी ने सीकर व जयपुर से लगभग 150 स्टूडेंट्स, पेरेंट्स व कोचिंग संस्थान के संचालकों से पूछताछ करके 15 स्टूडेंट्स को डिटेन किया है उनको सीबीआई टीम के सुपुर्द किया जाएगा। क्योंकि नीट की परीक्षा रद्द करके सीबीआई को जांच सौंपी गई हैं। एसओजी में पुलिस महानिरीक्षक अजय पाल लाम्बा ने मीडिया को जानकारी दी। आरपीएससी सदस्य शिव सिंह राठौड़ को भी एसओजी ने पूछताछ के बाद जाने दिया। राठौड़ ने जाते समय मीडिया से बातचीत की।

पेपर लीक के कारण नीट परीक्षा रद्द

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। नेशनल टैस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा 3 मई को आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा कथित पेपरलीक के बाद रद्द कर दी गई है। इस कथित पेपर लीक के कारण लगभग 22 लाख छात्र प्रभावित हुए।

केन्द्र ने यह भी घोषणा की कि देश की सबसे बड़ी अंडरग्रेजुएट मेडिकल प्रवेश परीक्षा पुनः आयोजित की जाएंगी, जिसकी तारीखें बाद में सूचित की जाएगी। सरकार ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है।

एक बयान में नेशनल टैस्टिंग एजेंसी ने कहा कि यह निर्णय केन्द्रीय एजेंसियों के समन्वय में प्राप्त जानकारी की समीक्षा के बाद लिया गया, और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा की गई जांच रिपोर्टों ने परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए।

- **नैशनल टैस्टिंग एजेंसी ने घोषणा की कि नए सिरे से परीक्षा के लिए जल्दी ही कार्यक्रम घोषित किया जाएगा।**

छात्रों और अभिभावकों को हुई असुविधा को स्वीकार करते हुए, एजेंसी ने कहा कि यह निर्णय परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मु.मंत्री के नाम पर कांग्रेस में अनिश्चितता, भाजपा को भा रही है?

भाजपा को अभी तक भारी प्रयासों के बावजूद सफलता हासिल नहीं हो पाई थी केरल में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। आठ दिन हो गए हैं, कांग्रेस ने राज्य में भारी बहुमत जीतकर केरल में 10 साल के वाम शासन का अंत किया, लेकिन अब तक यह तय नहीं हो पाया है कि राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा।

कई दौर की बैठकों के बावजूद कोई निर्णय नहीं लिया गया। देर रात, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को कर्नाटक से दिल्ली वापस बुलाया गया, तो शीर्ष पार्टी नेतृत्व फिर से बैठक में जुट गया।

पार्टी नेतृत्व के.सी. वेणुगोपाल, जिनके पास अधिक संख्या में विधायक हैं, और पार्टी नेता सतीशन, जिनके पास केरल में व्यापक बाहरी समर्थन और कांग्रेस के प्रमुख सहयोगी आईयूएमएल का समर्थन है, के बीच फंसा हुआ है।

सूत्रों के अनुसार, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राहुल गांधी वह बात नहीं समझ रहे है जो सबको पता है कि अगर के.सी. वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाया गया, तो यह कांग्रेस के भीतर विद्रोह को जन्म दे सकता है, जिससे राज्य में लंबे समय तक भाजपा को दूर रखने वाला माहौल बदल सकता है।

बताया गया है कि के.सी. वेणुगोपाल ने कुछ भरोसेमंद लोगों से कहा है कि राहुल ने उन्हें यह नहीं बताया कि वे मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं या नहीं। वेणुगोपाल ने कहा कि चुनाव से पहले राहुल को राज्य में हो रही गतिविधियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **भाजपा प्रसन्न है कि अगर वेणुगोपाल को मु.मंत्री बनाया गया तो केरल में कांग्रेस के आम कार्यकर्ता ज्यादा दिन अपनी निराशा पर अंकुश नहीं लगा पाएंगे तथा भाजपा को पैर जमाने का मौका मिल जाएगा।**
- **वेणुगोपाल ने पार्टी के संगठन मंत्री होने के कारण, पार्टी के उम्मीदवारों को टिकट बाँटे थे। अतः प्रथम दृष्टया, विजयी विधायक, आँख की शर्म के कारण वेणुगोपाल के साथ दिखते हैं। पर, विधानसभा में विपक्ष के नेता सतीशन, जमीनी स्तर पर ज्यादा लोकप्रिय हैं तथा उनकी शिकायत है कि जब वेणुगोपाल दिल्ली में ''पावर पोलिटिक्स'' कर रहे थे, तब वे केरल में कार्यकर्ताओं के बीच काम में जुटे थे। ऐसी स्थिति में अगर वेणुगोपाल मु.मंत्री बनाये जाते हैं तो कांग्रेस का आम कार्यकर्ता, अपनी निराशा पर ज्यादा दिन नियंत्रण नहीं रख पाएगा और भाजपा को पैर पसारने का आसान रास्ता मिल जाएगा।**

अमेरिका, पाकिस्तान की ''तटस्थता'' को संदेह की दृष्टि से देख रहा है?

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। अमेरिका-ईरान संघर्ष में मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान की भूमिका वॉशिंगटन में जांच के दायरे में आ गई है, क्योंकि डॉनल्ड ट्रम्प प्रशासन के कुछ वर्गों को शक है कि इस्लामाबाद एक खतरनाक दोहरा खेल खेल रहा है, एक ओर वो सार्वजनिक तौर पर तो कूटनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है, जबकि दूसरी ओर पर्दे के पीछे कथित तौर पर तेहरान की मदद कर रहा है।

यह अविश्वास तब और बढ़ गया, जब खबर आई कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह संदेश पाकिस्तान के माध्यम से भेजा था, जिसने हाल ही में अमेरिका-ईरान वार्ता की मेजबानी की थी। सी.एन.एन. की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प के निकट कई अधिकारी मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं। वे यह भी जानना चाहते हैं कि क्या इस्लामाद ने बातचीत में आई रुकावट को लेकर वॉशिंगटन की नाराज़गी को तेहरान तक सही-सही पहुँचाया था।

यह चिंता उस समय और बढ़ गई, जब सी.बी.एस. न्यूज़ ने रिपोर्ट किया कि पाकिस्तान ने चुपचाप ईरानी सैन्य विमानों को रावलपिंडी के नूर खान एयर बेस का उपयोग करने की अनुमति दे दी।

- **अमेरिका को शक है कि पाकिस्तान, तेहरान से सहानुभूति रखता है तथा उसने ईरान की सेना के विमानों को रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस को काम में लेने की छूट भी दी थी, जिससे ईरान के विमानों को अमेरिका की ''एयर स्ट्राइक'' से बचाया जा सके।**

ऐसा करके उसने संभवतः उन विमानों को संभावित अमेरिकी हवाई हमलों से बचाया, जबकि इस्लामाबाद दुनिया के सामने खुद को एक निष्पक्ष मध्यस्थ के रूप में पेश कर रहा था।

दो अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से सी.बी.एस. ने बताया कि ट्रम्प द्वारा अप्रैल की शुरुआत में ईरान के साथ संघर्ष विराम की घोषणा के तुरंत बाद, तेहरान ने कई विमान पाकिस्तान भेजे, जिनमें ईरानी वायु सेना का आरसी-130 टोही विमान शामिल था। यह लॉकहीड सी-130 हरक्यूलिस का निगरानी और खुफिया संग्रहण संस्करण है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि ईरान ने कुछ नागरिक विमान अफगानिस्तान स्थानांतरित किए, हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि उनमें सैन्य उपकरण शामिल थे या नहीं।

इन आरोपों के कारण अमेरिकी प्रशासन के कुछ हिस्सों में अविश्वास बढ़ गया है। वहाँ के अधिकारियों को अब लगने लगा है कि शायद पाकिस्तान वॉशिंगटन के रूख को तेहरान तक मजबूती से नहीं पहुँचा रहा है, जिससे ईरानी नेतृत्व में बातचीत के भविष्य को लेकर अलग-अलग व्याख्याएँ उभर रही हैं।

यह मतभेद तब खुलकर सामने आया, जब ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने तेहरान की भविष्य की रणनीति को लेकर चुनौतीपूर्ण रुख अपनाया।

उन्होंने कहा, ''अब हमारे पास विभिन्न विकल्प हैं, या तो हम सम्मान, अधिकार और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के साथ बातचीत की मेज़ पर बैठें और ईरानी राष्ट्र के अधिकारों को प्राप्त करें, या हम ''न युद्ध, न शांति'' की स्थिति में रहें, या हम युद्ध और टकराव के मार्ग पर आगे बढ़ते रहें।

उन्होंने कहा कि ईरान कूटनीति को प्राथमिकता देता है, लेकिन केवल सैन्य ताकत और राष्ट्रीय गरिमा की स्थिति के साथ।

उन्होंने आगे कहा, ''तर्कसंगत, तार्किक और राष्ट्रीय हित पर आधारित प्राथमिकता यह है कि जो जीत सशस्त्र बलों ने युद्धक्षेत्र में प्राप्त की, वह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीट पेपर लीक- नासिक का प्रिंटिंग प्रेस संचालक गिरफ्तार

नासिक, 12 मई। मेडिकल प्रवेश के लिए आयोजित नीट परीक्षा 2026 की प्रश्नपत्र लीक मामले में महाराष्ट्र के नासिक का कनेक्शन सामने आया है। इस मामले में नासिक स्थित एक प्रिंटिंग प्रेस के संचालक की संलिप्तता उजागर हुई है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

- **प्रश्नपत्र नासिक की प्रेस में छपा, फिर हरियाणा, राजस्थान, जम्मू कश्मीर, बिहार व केरल भेजा गया।**

यह जानकारी नासिक पुलिस आयुक्तालय के क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त किरण चव्हाण, सहायक पुलिस आयुक्त संदीप मिटके और परिमंडल दो के पुलिस उपायुक्त किशोर काले ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में दी।

जांच में सामने आया है कि प्रश्नपत्र नासिक की एक प्रिंटिंग प्रेस में छापा गया था। इसके बाद इस प्रश्नपत्र के हरियाणा, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, बिहार और केरल जैसे राज्यों तक पहुंचने के संदिग्ध रास्ते भी उजागर हुए हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है तथा और भी लोगों से पूछताछ की संभावना है।

'अगले दो साल भारी कंस्ट्रक्शन व ''डिमोलेशन'' पर प्रतिबंध हो'

नीति आयोग ने पश्चिमी एशिया की स्थिति के कारण, ''बैल्ट टाइट'' करने के ठोस कदम सुझाए

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। कठोर वित्तीय नियंत्रण की नीति तेजी से लागू होती नजर आ रही है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नागरिकों को ईंधन खर्च कम करने, सोना खरीदना बंद करने और ''कोविड जैसी स्थिति'' के लिए तैयार रहने की सलाह दिये जाने के बाद, नीति आयोग, जो केन्द्र सरकार का थिंक टैंक है, ने एक सलाह जारी की है, जिसमें निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों को रोकने का सुझाव दिया गया है।

यदि यह सिफारिश स्वीकार कर ली जाती है, तो जिन भवनों के निर्माण/तोड़फोड़ के कार्य चल रहे हैं, उन्हें रोक दिया जाएगा, जैसे निर्माण भवन, उद्योग भवन और शास्त्री भवन आदि। ये गतिविधियाँ मोदी सरकार की सैन्ट्रल विस्टा को फिर से डिजाइन करने की योजना का हिस्सा हैं।

ऐसा लगता है कि इस सलाह के माध्यम से, नीति आयोग पश्चिम एशिया संकट और तेल आपूर्ति में व्यवधान के कारण आवश्यक कठोर वित्तीय माहौल बनाने की तैयारी कर रहा है। निर्माण/तोड़फोड़ की गतिविधियों के लिए भारी मशीनरी, गैस कटर, क्रशर, क्रेन और बड़ी मात्रा में निर्माण सामग्री की आवश्यकता होती है और सबसे महत्वपूर्ण, ईंधन की जरूरत होती है। पश्चिम एशिया संकट द्वारा उत्पन्न चुनौतियों को देखते हुए, नीति आयोग ने इन गतिविधियों को दो वर्षों के लिए रोकने की सिफारिश की है।

- **नीति आयोग की यह हिदायत स्वीकार कर ली गई तो दिल्ली में निर्माण भवन, उद्योग भवन और शास्त्री भवन पर कंस्ट्रक्शन गतिविधि पूर्णतया स्थगित कर दी जाएगी।**
- **पर, इन सार्वजनिक भवनों का पुनर्निर्माण मोदी सरकार की ''सैंट्रल विस्टा'' को पुनः डिज़ायन करने की महत्वाकांक्षी योजना का बहुत महत्वपूर्ण अंग है।**

प्रधानमंत्री की कठोर वित्तीय अपील का विपक्षी नेताओं और आम नागरिकों द्वारा सोशल मीडिया पर मजाक उड़ाया गया है, जिन्होंने चुनाव प्रचार और अन्य कार्यक्रमों में सरकार के व्यय के मामलों को उजागर किया है। नेटिज़न्स ने प्रधानमंत्री के उस रोड शो पर भी सवाल उठाए, जो उन्होंने 10 मई को हैदराबाद में नागरिकों को वित्तीय अनुशासन की सलाह देने के तुरंत बाद आयोजित किया। उस अवसर पर लगभग 100 कारों का काफिला प्रधानमंत्री के साथ चला, जबकि वरिष्ठ भाजपा नेता लगभग 50 वाहनों के काफिले के साथ जा रहे थे। प्रधानमंत्री के शुक्रवार से शुरू होने वाले पांच देशों के दौरे को लेकर भी नाराजगी जाहिर की गई है।

नीति आयोग की यह सलाह नागरिकों और विपक्षी नेताओं की नकारात्मक प्रतिक्रिया को रोकने का प्रयास भी प्रतीत होती है, क्योंकि यह सार्वजनिक खर्च में भी रोक का सुझाव देती है।

उल्लेखनीय है कि नीति आयोग के वर्तमान अध्यक्ष अशोक लाहिड़ी हैं, जिन्हें हाल ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। लाहिड़ी एक अर्थशास्त्री हैं और 2021 से 2026 तक बलूरघाट निर्वाचन क्षेत्र से पश्चिम बंगाल विधानसभा के भाजपा सदस्य रहे हैं।

आज हो सकता है केरल के मु.मंत्री का फैसला

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। कांग्रेस पार्टी केरल के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा संभवतः मंगलवार देर रात या बुधवार सुबह कर सकती है।

राहुल गांधी ने 10 जनपथ में केरल के पार्टी नेताओं के साथ बैठकों में कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के समर्थन में अधिक समर्थन पाया। मुख्यमंत्री पद के लिए मुख्य मुकाबला सतीशन और वेणुगोपाल में है, जबकि तीसरे उम्मीदवार रमेश चेनिथला ने खुद को हटा लिया, क्योंकि उन्हें पूर्व राज्य अध्यक्षों और कार्यकारी अध्यक्षों का समर्थन नहीं मिला।

- **कांग्रेस पार्टी में 10 जनपथ पर भारी विचार मंथन चल रहा है।**

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व व्यापक परामर्श ले रहा है, क्योंकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने रूस के एलएनजी सप्लाई को अस्वीकार किया

भारत किसी भी कीमत पर अमेरिका की नाराज़गी का जोखिम नहीं उठाना चाहता

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प की नाराज़गी से बचने के स्पष्ट कदम के रूप में, मोदी सरकार ने कथित तौर पर रूस के लिक्विफाइड नैचुरल गैस (एलएनजी) बेचने के प्रस्ताव को अस्वीकार दिया, जो अमेरिका के प्रतिबंधों के तहत था, जबकि मध्य पूर्व में तनाव के कारण आपूर्ति में कमी थी।

एक एलएनजी जहाज, जो भारत में आने वाला था, अब फंसा हुआ है क्योंकि नई दिल्ली ने रूस का प्रस्ताव ठुकरा दिया है।

एक उच्च स्तरीय सूत्र ने कहा कि भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के शीर्ष निर्णय निर्माता, जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल शामिल हैं, ट्रम्प के गुस्से से डर रहे हैं और देश हित में निर्णय लेने की स्वतंत्रता छोड़ने तक के लिए तैयार हैं।

दो सूत्रों, जिनको इस मामले की प्रत्यक्ष जानकारी है, ने रॉयटर्स को बताया कि भारत के लिए निर्धारित रूस के एक टैंकर को लटका कर रखा गया है, स्वीकृत कार्गो पर बातचीत चल रही है। जबकि मध्य एशिया के तनाव के कारण, ऊर्जा-आपूर्ति जबरदस्त रूप से प्रभावित है।

भारत का रुख इस बात को उजागर करता है कि दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने और अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित एलएनजी कार्गो की खरीद टालने के बीच कितनी सावधानी से संतुलन साध रहा है। इससे यह भी पता चलता है कि मॉस्को की अपने एलएनजी निर्यात को नए बाज़ारों में स्थानांतरित कर सकने की क्षमता सीमित है।

एक सूत्र ने बताया कि भारत की हिचकिचाहट के कारण, रूस के बाल्टिक सागर स्थित यूएस प्रतिबंधित पोर्टोवाया प्लांट से एक एलएनजी कार्गो अनलोड नहीं हो सका, जबकि इसे अप्रैल के मध्य में भारत पहुँचना था। आधिकारिक सूत्र ने बताया कि जहाज को ट्रैक किया गया, जबकि दस्तावेज़ इस बात का संकेत दे रहे थे कि कार्गो गैर-रूसी था।

रॉयटर्स ने अप्रैल के मध्य में एलएसईजी शिपिंग डेटा का हवाला देते हुए बताया था कि 1,38,200-क्यूबिक-मीटर क्षमता वाला टैंकर कुनपेंग भारत के पश्चिमी हिस्से के दाहेज इम्पोर्ट टर्मिनल की ओर जा रहा था। एलएसईजी के अनुसार, अब यह जहाज सिंगापुर के पास समुद्र में है और इसका कोई गंतव्य नहीं बताया गया है।

एक सूत्र ने बताया, भारत, रूस का सबसे समुद्री क्रूड तेल का सबसे बड़ा खरीदार है, और भारत ने 30 अप्रैल को रूस के उप ऊर्जा मंत्री पावेल सोरोकिन को इस निर्णय से अवगत किया कि वह प्रतिबंधित एलएनजी नहीं खरीदेगा। उस दौरान सोरोकिन ने भारतीय अधिकारियों, जिनमें पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी शामिल थे, से मुलाकात की। यह पिछले कुछ महीनों में उनकी दूसरी बैठक थी, और सोरोकिन जून में पुनः बातचीत के लिए लौट सकते हैं।

भारत के तेल और गैस मंत्रालय और रूस के दिल्ली स्थित दूतावास ने तुरंत टिप्पणी के अनुरोध पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

इस बीच, भारत की रूस से क्रूड तेल की खरीद लगातार जारी है, जिसे फरवरी 28 से शुरू हुए अमेरिका-इज़रायल युद्ध के कारण ऊर्जा संकट से निपटने में मदद करने के लिए अमेरिकी प्रतिबंधों में अस्थायी छूट मिली है।

आर्कटिक एलएनजी 2 रूस का दूसरा निर्यात प्लांट है, जो अमेरिकी प्रतिबंधों के अधीन है। अमेरिका ने 2025 की शुरुआत में यूक्रेन युद्ध के कारण रूस के एलएनजी प्लांटों पर प्रतिबंध बढ़ा दिए।

एक सूत्र ने बताया, जहाजों के माध्यम से क्रूड तेल को छुपाया जा सकता है, लेकिन एलएनजी शिपमेंट को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **जैसा कि विदित ही है, अमेरिका ने रूस से एलएनजी के खरीद पर अपनी ओर से प्रतिबंध लगा रखा है।**
- **इसी कारण से रूस का जहाज जो भारत के लिए एलएनजी लेकर रवाना हुआ था, भारत के बंदरगाह दाहोज पर अपना माल उतारने के लिए, अपना माल नहीं उतार पाया और अब सिंगापुर के आस-पास भटक रहा है।**

एसआई भर्ती परीक्षा-2021 दुबारा सितंबर को होगी

अजमेर, 12 मई (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा एसआई भर्ती परीक्षा-2021 का पुनः आयोजन 20 सितंबर 2026 (रविवार) को किया जाएगा। इस परीक्षा में केवल वही 3 लाख 83 हजार 97 अभ्यर्थी शामिल हो सकेंगे, जो पूर्व में आयोजित लिखित परीक्षा के दोनों प्रश्न पत्रों में उपस्थित रहे थे।

- **अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र में रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर, ई-मेल आईडी और पत्राचार का पता 16 से 30 मई तक अपडेट कर सकते हैं।**

आयोग के अनुसार, भर्ती से संबंधित आयु सीमा, आरक्षण, शैक्षिणक योग्यता एवं अन्य सभी शर्तें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

आनंद वह ख़ुशी है जिसके भोगने पर पछताना नहीं पड़ता। –सुकरात

सरकार काम कर रही है यह बताने के लिये ग्राम रथ

सरकारें जब काम करती हैं तो उन्हें अपना काम आम जनता को दिखाना भी होता है ताकि सत्तारूढ दल के सदस्य जब फिर वोट मांगने अवाम के बीच जायें तो उन पर यह तोहमत न लगे कि उन्होंने कुछ किया ही नहीं। लेकिन हमने यह भी देखा है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की केंद्र में सरकार के कामों का भयंकर प्रचार भी चुनाव में किसी काम नहीं आया था। हमने राजस्थान में भी विधानसभा के पिछले चुनावों में धुआंधार प्रचार के बावजूद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को सत्ता से बाहर होते देखा है। अब इसमें थोड़ा परिवर्तन हुआ है। अब सरकार के पूरे कार्यकाल में प्रचार अभियान सतत चलाया जाने लगा है। एक के बाद एक सरकारी ईवेंट किये जाने लगे हैं, जिससे उसके वे काम जनता को दिखें जिसे वह बताना चाहती है। ऐसा ही एक ईवेंट 'ग्राम रथ' का राजस्थान में चल रहा है। सरकारें विकास कार्य करती हैं, योजनाएं बनाती हैं और उन्हें लागू करती हैं, परंतु यह सब तब तक राजनीतिक रूप से सार्थक नहीं होता जब तक वह आम जनता की चेतना में न दिखने लगे। इसके लिये पेशेवर प्रचार विशेषज्ञ नये-नये तरीके ईजाद करते रहते हैं। उनका नया आइडिया यह है कि प्रचार चुनाओं के समय ही नहीं सतत चलता रहना चाहिए ताकि संदेश मतदाताओं के मस्तिष्क में ठीक से बिठाया जा सके। इसके पीछे प्रचार उद्योग का अपना मुनाफा भी है। पहले प्रचार उद्योग मनोरंजन जगत तथा उपभोक्ता वस्तुओं निर्माताओं अथवा किसी संस्थान या ब्रांड की छवि चमकाने के लिये काम करता था। नई सदी में उनकी मांग राजनीतिक जगत में भी होने लगी है। सत्तारूढ राजनैतिक दलों को यह लाभ होता है कि उनका ज्यादातर प्रचार का खर्च सरकार के कामों के प्रचार के नाम पर राजकोष से हो जाता है। इसलिए आश्चर्य नहीं कि सरकारों का प्रचार पर खर्च साल-दर-साल बेतहाशा बढ़ता जा रहा है। इसी परिपेक्ष्य में हम राजस्थान सरकार के वर्तमान में चल रहे 'प्रचार रथों' के अभियान को समझ सकते हैं। राजस्थान सरकार के प्रचार का यह केवल साधारण सूचना अभियान नहीं हैं, बल्कि ऐसे अभियान आधुनिक राजनीतिक रणनीति का एक महत्वपूर्ण उपकरण बनकर उभर रहे हैं। इन्हें केवल प्रचार का माध्यम मानना एक सीमित दृष्टिकोण होगा। इनके पीछे कई परतों वाली रणनीति कार्य करती है कि शासन लोगों को दिखे, जिसका लाभ निर्वाचित प्रतिनिधियों को मिले। इसलिए इस बात का कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि बीजेपी के पदाधिकारी इन रथों के सारथी बनाये गए हैं।

डिजिटल युग में भी भारत का एक बड़ा हिस्सा ऐसा है जहां प्रत्यक्ष संपर्क का महत्व बना हुआ है। प्रचार रथ इस प्रत्यक्ष संपर्क का माध्यम बनते हैं। इसीलिए राजस्थान की 200 में से 183 विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे रथ चल रहे हैं। ये सभी क्षेत्र ग्रामीण हैं। शेष 17 विधानसभा क्षेत्र शहरी हैं जहां इनकी जरूरत नहीं समझी गई हैं। शायद ऐसा माना गया है कि वहां स्मार्टफोन पर सीधे या इन्फ़लुएन्सरों के जरिए प्रचार को पहुंचा दिया जाएगा। सरकारी योजनाएं अक्सर जटिल होती हैं और उनकी जानकारी हर नागरिक तक स्वत: नहीं पहुंचती। कई बार लाभार्थी स्वयं यह नहीं जान पाते कि उन्हें जो सुविधा मिल रही है, वह किस योजना के अंतर्गत है। इसलिए कहा जा सकता है कि ग्राम रथ इस अंतर को पाटने का प्रयास कर रहे हैं। वे यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि सरकार सक्रिय और संवेदनशील है। यह दिखाना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि लोकतंत्र में जो दिखता है, वही अक्सर सत्य के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। प्रत्येक ग्राम रथ एक छोटा वाहन है जिस पर कंप्यूटर और टीवी स्क्रीन लगी है। इसमें ड्राइवर के साथ एक व्यक्ति है जिसका काम है कि कंप्यूटर में दी गई वीडिओ क्लिप जगह-जगह चला कर लोगों को दिखाना। करीब 15 क्लिप मिलाकर कुल लगभग एक घंटे की हैं। सभी में बताने का प्रयास किया गया है कि मौजूदा सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में क्या काम किये हैं। इस अभियान की गंभीरता का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि इस प्रचार पर मुख्यमंत्री कार्यालय तथा शासन तंत्र के प्रमुख मुख्य सचिव स्तर पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

सूचना और जनसंपर्क विभाग इन रथों का संचालन जिला परिषदों के माध्यम से कर रहा है। रथ के ठहराव के स्थानों पर स्थानीय कलाकारों के प्रदर्शन भी शामिल किये गए हैं। ग्राम रथों से ग्रामीण आबादी कितनी प्रभावित हो रही है इसका पता तो जब चुनाव होंगे उनके परिणाम ही देंगे मगर अभी ऊपर से सारा जोर इस बात पर है कि रथ के कार्यक्रमों में जो लोग आ रहे हैं उनकी विडियो रिपोर्टें सोशल मीडिया पर निरंतर डाली जाए। सब जगहों से रथों के इवेन्टों के फ़ोटो और विडिओ डलवाने के लिये जयपुर में बैठे प्रशासन के आला अफसर दिन रात नीचे के लोगों को हैरान-परेशान किये हुए हैं। यहां हमें उस मूल द्वंद्व को समझना होगा जो आज की राजनीति में गहराई से मौजूद है-काम (सरकार का प्रदर्शन) बनाम धारणा (परसेप्शन)। यह नये जमाने में लोकतंत्र का बदलता समीकरण है। लोकतंत्र के आदर्श स्वरूप में यह माना जाता है कि मतदाता सरकार के कार्यों का मूल्यांकन कर वोट देता है। लेकिन व्यवहार में स्थिति ऐसी होती नहीं है। मतदाता का निर्णय केवल ठोस उपलब्धियों पर आधारित नहीं होता, बल्कि उसकी अपनी सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक धारणाओं से भी उसका मन प्रभावित होता है जिसके आधार पर वह वोट देता है। आम आदमी का सरकारी तंत्र से पड़ने वाले रास्ते से भी उसकी सरकार के प्रति धारणा बनती है। लोग अक्सर अपनी धारणाओं के आधार पर वोट देते हैं। यह धारणा कई कारकों से बनती है जैसे मीडिया, सामाजिक संवाद, व्यक्तिगत अनुभव और राजनीतिक प्रचार। प्रचार रथ इस धारणा को नियंत्रित और दिशा देने का प्रयास करते हैं। वे एक कथा गढ़ते हैं कि सरकार विकासोन्मुख है, जनहितैषी है और लगातार काम कर रही है। यह कथा बार-बार दोहराई जाती है ताकि वह मतदाता के मन में स्थायी रूप से बैठ जाए। इसके साथ ही अब केंद्र तथा अधिकांश राज्यों में बीजेपी की सरकारें भावनाओं की अपनी राजनीतिक पूंजी में अपने काम को भी बड़े पैमाने पर शामिल कर रही है ताकि संवैधानिक व्यवस्थाओं से बंधे शासन में भी उसकी वह पैठ भी बने जो उसके भावनात्मक नेरटिव के हिसाब से हो तथा मतदाता का चुनावी व्यवहार उसके पक्ष में प्रभावित हो। सरकार के विकास के कामों के प्रचार से सरकार अपने पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास तो करती ही है, साथ ही वह विपक्ष के नैरेटिव का प्रत्युत्तर भी परोक्ष रूप से देती है। लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार की आलोचना करना है। यदि विपक्ष यह धारणा बनाने में सफल हो जाता है कि सरकार निष्क्रिय है या विफल है, तो यह सत्तारूढ दल के लिए खतरा बन सकता है। प्रचार के ये रथ इस चुनौती का जवाब हैं। वे एक वैकल्पिक कथा प्रस्तुत करते हैं। मगर सरकारी कोष और मशीनरी के जरिए चलाए जा रहे रथ अभियान पर यह सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि क्या यह लोकतांत्रिक आवश्यकता है या राजनीतिक प्रचार? यह प्रश्न इस पूरे विमर्श का सबसे महत्वपूर्ण और विवादास्पद पहलू है। एक दृष्टिकोण से देखें तो जनता को सरकारी योजनाओं की जानकारी मिलनी आवश्यक है। सरकार को अपने कार्यों का लेखा-जोखा देना चाहिए। संचार के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है। इस दृष्टि से शासन में बैठे लोगों को प्रचार रथ एक लोकतांत्रिक आवश्यकता प्रतीत होते हैं। लेकिन दूसरी ओर जब सरकारी संसाधनों का उपयोग सत्तारूढ दल की छवि सुधारने के लिए होता है, तो यह राजनीतिक प्रचार बन जाता है। इसमें उपलब्धियों को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता है और कमियों को छिपाया जाता है।

लोकतंत्र के आदर्श स्वरूप में यह माना जाता है कि मतदाता सरकार के कार्यों का मूल्यांकन कर वोट देता है। लेकिन व्यवहार में स्थिति ऐसी होती नहीं है। मतदाता का निर्णय केवल ठोस उपलब्धियों पर आधारित नहीं होता, बल्कि उसकी अपनी सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक धारणाओं से भी उसका मन प्रभावित होता है जिसके आधार पर वह वोट देता है।

ऐसे में निजी क्षेत्र में फल-फूल रहे प्रचार व्यवसाय को सरकार के इमेज मैनेजमेंट काम भरपूर मिल रहा है। प्रचार के रथ लोकतंत्र और राजनीति के बीच की उस धुंधली रेखा पर चलते हैं जहां जन-सूचना और राजनीतिक स्वार्थ एक-दूसरे में घुल-मिल जाते हैं। आज की राजनीति में सफलता का समीकरण बदल चुका है। अब केवल काम करना पर्याप्त नहीं है, और धारणा बनाना भी जरूरी है। इसके लिये प्रभावी संचार आवश्यक हो गया है। राजनीतिक दलों ने यह समझ लिया है कि काम आधार है, धारणा प्रभाव है और संचार पुल है जो दोनों को जोड़ता है। ग्राम रथ इसी पुल का निर्माण करने मे लगे हैं। वे उस जटिल वास्तविकता का हिस्सा हैं जहां सरकारें काम भी करती हैं और उसे दिखाने की आवश्यकता भी महसूस करती हैं। इसके लिये वे राजकोष का इस्तेमाल करने में परहेज नहीं करतीं। आज का मतदाता जागरूक भी है, लेकिन सोशल मीडिया के जाल में फंसा मतदाता धारणा से अधोक प्रभावित होता है। इन्हीं परिस्थितियों में राजनीति सेवा और रणनीति के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करती है और राजनेता अपने को जनता से सम्बद्ध रखने का प्रयास करते हैं। अंतत:, लोकतंत्र की गुणवत्ता इस बात पर निर्भर करेगी कि मतदाता कितनी सजगता से इन प्रचार माध्यमों को परखता है। यदि नागरिक केवल दिखावे से प्रभावित होंगे, तो राजनीति भी उसी दिशा में जाएगी। लेकिन यदि वे वास्तविक काम और ठोस परिणामों को प्राथमिकता देंगे, तो प्रचार की सीमाएं स्वत: तय हो जाएंगी। इसलिए, असली प्रश्न यह है कि हम, मतदाता, उस प्रचार को कितनी समझदारी से ग्रहण करते हैं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं समीक्षक)

लोकतंत्र और पार्टी हाईकमान : निर्णय और निर्णायक

रामनिवास बैरवा

राजनीतिक पार्टियों के निर्णय लोकतान्त्रिक व्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव डालते हैं। जब कोई राजनीतिक पार्टी ही अपनी निर्णय लेने की प्रक्रिया को लोकतान्त्रिक प्रक्रिया के अनुसार नहीं ढाल सकती, तब देश का लोकतान्त्रिक आधार तो डांवाडोल होता ही है; उसकी भागीदार राजनीतिक पार्टियां भी, क्रमश: समाप्त होने को बाध्य होती हैं।

भारतीय जनता पार्टी का 'कांग्रेस मुक्त भारत' जैसा नारा या अभियान उसी ही बाध्यता का एक रूप है, जिसमें लोकतान्त्रिक प्रक्रिया को तिलांजलि देकर 'हाई कमान' के चारों और अपने अनुयायियों को इकट्ठा करके राजनीति में सफल होने का खेल कर रहे होते हैं। यही 'हाई कमान' की निर्णायक भूमिका की परम्परा ही भारतीय जनता पार्टी को भी सत्ता से बाहर का रास्ता दिखायेगी।

जब ऐसी पार्टियों का आधार लोकतंत्र नहीं होकर 'पार्टी हाई कमान' ही निर्णायक बन जाते हैं तो सिद्धांतहीनता के अभाव में वे दूसरों पर लांछन लगाते हैं, आपस मे एक दूसरे का चरित्रहनन करते हैं। और फिर इस प्रकार से सभी पार्टियां गलीच बनकर रह जाती हैं और अपने प्रतिद्वंद्वी को भी उसी गलीच चरित्रहनन के स्तर पर ले आती हैं, तब सब एक जैसे हो जाते है।

लेकिन जनता उन पार्टियों के द्वारा आपसी चरित्रहनन के साथ-साथ भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, गरीबी आदि को भी समय-समय पर अपना नारा बनाये रखने को बाध्य करती हैं। चूंकि भ्रष्टाचार, गरीबी, बेरोजगारी पूंजीवादी लोकतन्त्र के ऐसे आवश्यक विषय हैं, जिनको बनाये रखना उनके लिए आवश्यक है। उनको खतम करना उन कथित राजनीतिक पार्टियों के लिए घातक होता है, अत: कुछ और नया जोड़ने की कोशिश की जाती रही है।

जहां कांग्रेस गांधीजी को और स्वतंत्रता प्राप्ति को अपनी परम उपलब्धी होने का बखान करती है, वहीं भारतीय जनता पार्टी धार्मिक रूढ़ियों को सनातन सत्य बताकर अपनी राजनीतिक सत्ता को बनाये रखने का प्रयासरत रही है। लेकिन जिस संविधान आढ़ में राजनीतिक पार्टियां सत्ता प्राप्त करती हैं, उसी संविधान को अपनी-अपनी सत्ता के स्थायित्व में अवरोध भी मानती हैं। अत: वे संविधान की व्याख्या अपने-अपने स्वार्थों के अनुसार करती हैं और नौकरशाहों का उपयोग करती है, विचारधारा को छोड़ देती हैं। इस प्रकार से लोगों की विचार भिन्नता को दबाये रखने के लिए एक ही व्यक्ति के आदेशों के अनुसार चलने की परम्परा डाली जाती है। पार्टी हाई कमान बनने का सबसे पहला प्रयोग 1920 में कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में किया गया था। उस समय, बाल गंगाधर तिलक की मृत्यु के बाद उसके अनुयायियों के द्वारा कांग्रेस के मंच पर मोहम्मद अली जिन्ना को बेइज्जत करके मंच से ही नहीं कांग्रेस से भी हट जाने को मजबूर किया था तथा 'महात्मा' बनने के चक्कर में गांधीजी ने वह सब बाखुशी देखा और मौन रहकर कांग्रेस पार्टी की अलोकतान्त्रिक कार्य प्रणाली के 'हाई कमान' बने।

उसके बाद, जब तक गांधीजी जिंदा रहे, कांग्रेस के हाई कमान बने रहे और मरने के बाद राष्ट्रपिता बना दिये गये। लेकिन, 1920 में चरित्रहनन करने वालों को आगे की सम्भावनाएं कम दिखी, इसीलिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ नामक संस्था बनाकर आज भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से 'कांग्रेस विहीन भारत' का नारा देकर, उसी 'हाई कमान' वाली व्यक्ति केंद्रित राजनीतिक पार्टी के सहारे, बेशक सत्ता भोग कर रही हो, लेकिन 'हाई कमान' के निर्णय लोकतन्त्र को नुकसान ही पहुंचाने वाले हैं।

संविधान का आध्याय-चार, 'राज्यों की नीति के निदेशक सिद्धांत' संविधान की आत्मा हैं और उनके लिए काम करना सभी सरकारों, सभी राजनीति पार्टियों के लिए सबसे बड़ा सिद्धांत है। उनके लिए काम नहीं करना गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा को निरन्तर बनाये रखना है, जिसका विपरीत परिणाम भ्रष्टाचार को अनिवार्यत: फलने-फूलने की परिस्थितियां निरन्तर बनाये रखना है। इस प्रकार उनके लिए, संविधान का अध्याय-चार, उनकी अपनी 'हाई कमान' प्रणाली के लिए कैसे रूकावट बना हुआ है, इसका एक ही उदाहरण देना काफी है।

गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा और सम्मानजनक जीवन जीने के अधिकार को, जो कि उनका 'मूल-अधिकार' है, को आंशिक रूप से समाप्त करने के लिए, भारत की समाज व्यवस्था में अछूत-पिछड़ी जातियों को उक्त अध्याय में, संदर्भ देकर आरक्षण की व्यवस्था की गई है। यह आरक्षण व्यवस्था लोगों के आर्थिक-सामाजिक और राजनीतिक विकास के साथ ही जाति व्यवस्था और आरक्षण व्यवस्था के अनावश्यक बन जाने की अपेक्षा की गई थी। परन्तु, वही आरक्षण अब चुनावी लोकतन्त्र की आवश्यकता के साथ-साथ 'हाई कमान' की प्रणाली के लिए भी अनिवार्य बन गया है। कांग्रेस पार्टी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जातियों को आरक्षण देने के संविधान के प्रावधान को अपना 'ट्रेडमार्क' मानती है, वहीं दूसरी अन्य पार्टियां विभिन्न जातियों के लिए आरक्षण को अपनी "हाई कमानका मास्टर स्ट्रोक" बनाने की कोशिशों में लगी हैं। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी, जो सनातन व्यवस्था बनाये रखने को अपना ब्रांड या ट्रेडमार्क बना चुकी है, उस पर अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों (ओ.बी.सी.) के लिए आरक्षण को सनातनी व्यवस्था यानि कि वर्ण-व्यवस्था या जाति-व्यवस्था को समाज व्यवस्था का आवश्यक अंग अनाये रखने की आड़ में आरक्षण को खतम करने का स्पष्ट आरोप लगाया जा रहा है, उसी भारतीय जनता पार्टी की हाई कमान महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का दाव खेल चुकी है। परंतु 2026 में अभी हुए 5 विधान सभाओं के आम चुनावों में किसी भी पार्टी ने, यहां तक कि स्वयं भारतीय जनता पार्टी ने भी महिलाओं को उक्त 33 प्रतिशत की मात्रा में चुनावों में टिकिट नहीं दिए।

महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का विरोध किसी भी राजनीतिक पार्टी का हाई कमान करना चाहता है। क्योंकि कथित महिला आरक्षण पुरूष सत्ता को और मजबूती देने कि ही प्रचारित किया गया है। आंकड़ों को देखें तो-

अभी संसद में 80-85 महिला सांसद है, जो कि 543 सांसदों का 15.65 प्रतिशत है। जाहिर है कोई भी राजनीति पार्टी, महिला आरक्षण के द्वारा नारी मुक्ति को जोर-शोर से प्रचार करने वाली भारतीय जनता पार्टी भी, संसद में 15 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को चुनावी मैदान में नहीं उतार रही हैं। लेकिन महिला आरक्षण के नाटक के पीछे इन 15.65 प्रतिशत महिलाओं की सीटें भी अपने पुरूष उम्मीदवारों को देने की कोशिश में संविधान को ही अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए ढ़ाल बना चुकी हैं। क्योंकि महिलाओं को नईबढ़ाई जाने वाली 33 प्रतिशत सीटों में समेटा जायेगा और वर्तमान 15.65 प्रतिशत सीटें अपने पुरूष उम्मीदवारों को दे देंगी।

इसके अलावा एक और षड्यंत्र है इसके पीछे भारतीय जनता पार्टी के साथ सभी राजनीतिक पार्टियों का। और वह यह है कि वर्तमान में महिलाओं को उम्मीदवार बनाने से उनकी नये-पुराने पुरूष उम्मीदवारों को अपनी दावेदारी से हाथ धोना पड़ रहा हैं जो कि अपनी-अपनी पार्टियों में विद्रोह, पार्टियों के टूटने के साथ ही नई बनाकर नया हाई कमान का उभारना है जिससे जातियों पर उनकी पकड़ में फूट पड़ती है। इसीलिए 33 प्रतिशत संसद में सीटें बढ़ाकर "महिलाओं को आरक्षण" और उन्हें उसी सीमा में बांधकर रखना होगा, ठीक वैसे ही जैसे अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों को सिर्फ उन्हीं के लिए आरक्षित संख्या तक ही सीमित रखा जा रहा है।

फिर से कांग्रेस पार्टी की तरफ रूख किया जाये।

राजीव गांधी की मौत के बाद, 1991 से कांग्रेस में कोई हाई कमान नहीं रही थी। तब तब के चुनाव आयुक्त टी. एन. शेषन ने कांग्रेस की फूट के बीच गांधी परिवार को फिर से हाई कमान की भूमिका में लाने के प्रयास में कथित चुनाव सुधार लागू किये, जिससे, अंतत: सोनिया गांधी को कांग्रेस का अध्यक्ष बनाने का रास्ता साफ हुआ और वह आज भी कांग्रेस की हाई कमान बनी हुई है। बेशक, राहुल गांधी को दूसरा हाई कमान बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं लेकिन वह गांधी के सामने का जवाहर लाल नहीं है जो गांधी जी के बाद नया हाई कमान खड़ा कर सके। और यह राहुल गांधी की मानसिक सोच में नहीं है कि वह हाई कमान जैसे सर्व-सुविधाओं से संपन्न हैसियत को छोड़ दे। नरेंद्र मोदी भी नहीं चाहते कि कांग्रेस में राहुल गांधी की राजनीतिक हैसियत कम हो। क्यों कि वह राहुल गांधी के बहाने भारतीय जनता पार्टी को कांग्रेस पार्टी के खिलाफ एक जुट रख पा रहे हैं, अन्यथा जब कोई प्रतिद्वंद्वी ही नहीं होगा तो किससे लड़ा जायेगा। इसलिए, एक हाई कमान दूसरी हाई कमान के खिलाफ, यहां तक कि चरित्रहनन तक का खेल खेल कर चुनावों की उठा-पटक कर जा रही है। इनको ना तो संविधान की चिंता है, ना ही किसी अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन-जाति के आरक्षण से लेना-देना है और ना ही किसी प्रकार के महिला आरक्षण से कोई लेना-देना है, बस उनकी हाई-कमान की हैसियत बनी रहे, यही उनके लिए लोकतंत्र है और यही उनका लिखा या बिना लिखा संविधान है।

-राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

पोखरण परमाणु परीक्षण : 51 वर्ष बाद भी शौर्य, समस्याएं और विकास की अधूरी कहानी बयां करता परीक्षण स्थल

51 वर्ष बीत जाने के बाद भी खेतोलाई और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा और रोजगार जैसी मूलभूत समस्याएं पूरी तरह दूर नहीं हो पाई हैं

जुगल किशोर बिस्सा

पोकरण भारत की सामरिक शक्ति, वैज्ञानिक क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा का गौरवशाली प्रतीक माना जाता है। राजस्थान के थार मरुस्थल में स्थित इस छोटे से कस्बे ने वर्ष 1974 और 1998 में हुए परमाणु परीक्षणों के कारण पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। लेकिन राष्ट्रीय गौरव के साथ-साथ इस क्षेत्र के लोगों को अनेक समस्याओं और चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा।

18 मई 1974 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत ने स्माइलिंग बुद्धा नाम से पहला परमाणु परीक्षण किया था। इसके बाद 11 और 13 मई 1998 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने ऑपरेशन शक्ति के तहत पांच परमाणु परीक्षण कर भारत को विश्व की परमाणु शक्तियों में शामिल कर दिया।

इन परीक्षणों के बाद पोकरण का नाम पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हुआ। देशभर में इसे राष्ट्रीय गौरव के रूप में देखा गया। वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सहित भारतीय वैज्ञानिकों की भूमिका को सराहा गया। वर्ष 1998 के परीक्षणों ने भारत की रक्षा क्षमता को मजबूती दी और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की स्थिति मजबूत हुई।

ग्रामीणों की समस्याएं और प्रभाव : परमाणु परीक्षण स्थल के सबसे निकट बसे खेतोलाई गांव के लोगों का कहना है कि परीक्षणों के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ीं। ग्रामीणों ने कैंसर, त्वचा रोग, आंखों में जलन, पशुधन पर प्रभाव तथा जन्मजात बीमारियों जैसी शिकायतें उठाई हैं। हालांकि इन दावों पर सरकार की ओर से कोई व्यापक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि परीक्षणों के समय धरती हिल गई थी और कई घरों में दरारें तक आ गई थीं। कई परिवारों का आरोप है कि वर्षों से स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं, लेकिन कोई स्थायी मेडिकल रिसर्च या विशेष स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं करवाई गई।

मूलभूत सुविधाओं का अभाव : राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने के बावजूद आज भी पोकरण और आसपास के गांवों में कई मूलभूत समस्याएं बनी हुई हैं। खेतोलाई सहित आसपास के क्षेत्रों में पेयजल संकट, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, रोजगार का अभाव और खराब आधारभूत ढांचे की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। कई रिपोर्टों में बताया गया है कि गांवों में पानी की सप्लाई कई-कई दिनों बाद होती है तथा ग्रामीणों को टैंकरों से पानी खरीदना पड़ता है।

ग्रामीणों का कहना है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर्याप्त रूप से संचालित नहीं हो पाते तथा विशेषज्ञ डॉक्टरों और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है। युवाओं को रोजगार के लिए बाहर पलायन करना पड़ता है।

केंद्र सरकार द्वारा दी गई सुविधाएं :- परमाणु परीक्षणों के बाद केंद्र सरकार तथा रक्षा संस्थानों द्वारा कुछ विकास कार्य जरूर किए गए। क्षेत्र में सेना और रक्षा प्रतिष्ठानों की मौजूदगी से सड़क और संचार व्यवस्था में सुधार हुआ। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई तथा परीक्षण क्षेत्र को संरक्षित रखा गया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर पोकरण को देश की वैज्ञानिक उपलब्धि के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

इसके अलावा रक्षा अनुसंधान एवं परमाणु कार्यक्रमों से जुड़े सीमित रोजगार अवसर भी क्षेत्र में बने। हालांकि स्थानीय लोग लंबे समय से विशेष पैकेज, कैंसर अस्पताल, बेहतर पेयजल योजना, पर्यटन विकास, शिक्षा संस्थान और युवाओं के लिए रोजगार की मांग कर रहे हैं।

मई महीने में ही परीक्षण क्यों किए गए? :- भारत सरकार द्वारा पोखरण में परमाणु परीक्षण मई महीने में अलग-अलग समय पर किए जाने के पीछे कई सामरिक, वैज्ञानिक और मौसम संबंधी कारण माने जाते हैं। विशेषज्ञों और रक्षा विश्लेषकों के अनुसार यह केवल संयोग नहीं था, बल्कि रणनीतिक योजना का हिस्सा था।

रेगिस्तानी मौसम और साफ वातावरण : -पोकरण थार मरुस्थल क्षेत्र में स्थित है। मई महीने में यहां अत्यधिक गर्मी रहती है और आसमान सामान्यत: साफ रहता है। वैज्ञानिकों के लिए भूमिगत परीक्षण, उपकरणों की निगरानी और सैन्य गतिविधियों को संचालित करना आसान माना गया। गर्म हवाओं और धूल भरे वातावरण के कारण विदेशी उपग्रहों की निगरानी से भी कुछ हद तक बचाव संभव माना जाता था।

विदेशी जासूसी उपग्रहों से बचाव : 1998 के परीक्षण अत्यंत गोपनीय तरीके से किए गए थे। उस समय अमेरिका सहित कई देशों के जासूसी उपग्रह भारत की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। वैज्ञानिकों और सेना ने रात के समय काम किया तथा गर्म मौसम और रेतीले इलाके का फायदा उठाकर तैयारियां छिपाई। माना जाता है कि मई की तेज गर्मी और धरती की ऊष्मा के कारण उपग्रहों को स्पष्ट गतिविधियां पकड़ने में कठिनाई हुई।

रणनीतिक और राजनीतिक समय : -1974 के परीक्षण के समय भारत वैश्विक दबाव के बावजूद अपनी परमाणु क्षमता दिखाना चाहता था। वहीं 1998 में भारत ने खुद को खुलकर परमाणु शक्ति घोषित करने का निर्णय लिया। उस समय क्षेत्रीय सुरक्षा, विशेषकर चीन और पाकिस्तान की परमाणु गतिविधियां, एक बड़ा कारण थीं।

भूमिगत परीक्षण के लिए उपयुक्त स्थिति :- वैज्ञानिकों के अनुसार मई में जमीन की सूखी और कठोर स्थिति भूमिगत परीक्षणों के लिए उपयुक्त मानी गई। इससे विस्फोट को नियंत्रित रखने और रेडियोधर्मी प्रभाव को सीमित करने में मदद मिली।

11 मई का विशेष महत्व :- 11 मई 1998 को हुए पोखरण-परीक्षणों के बाद भारत ने खुद को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र घोषित किया। इसी ऐतिहासिक उपलब्धि की याद में हर वर्ष 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है।

क्या कोई धार्मिक या ज्योतिषीय कारण था? :- कुछ लोगों द्वारा समय-समय पर धार्मिक या ज्योतिषीय कारणों की चर्चा की जाती रही है, लेकिन सरकार या वैज्ञानिकों ने कभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की। उपलब्ध ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार परीक्षणों का समय मुख्य रूप से सुरक्षा, गोपनीयता, मौसम और सामरिक रणनीति को ध्यान में रखकर तय किया गया था।

आज भी कायम है गौरव और उपेक्षा का द्वंद्व :- पोकरण आज भी भारत की सामरिक शक्ति का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। यहां हुए परमाणु परीक्षणों ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस भूमि ने देश को परमाणु शक्ति बनाया, उसी क्षेत्र के लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

51 वर्ष बीत जाने के बाद भी खेतोलाई और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा और रोजगार जैसी मूलभूत समस्याएं पूरी तरह दूर नहीं हो पाई हैं। ग्रामीणों की मांग है कि केंद्र और राज्य सरकारें पोकरण को परमाणु नगरी के रूप में विशेष दर्जा देकर यहां आधुनिक अस्पताल, कैंसर उपचार केंद्र, उच्च शिक्षा संस्थान, पर्यटन विकास, पेयजल परियोजनाएं और युवाओं के लिए रोजगार के स्थायी अवसर उपलब्ध करवाएं, ताकि राष्ट्रीय गौरव के साथ स्थानीय जनता का जीवन स्तर भी बेहतर हो सके।

-जुगल किशोर बिस्सा,
वरिष्ठ पत्रकार।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 13 मई, 2026

प्रथम ज्येष्ठ मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र दिन 1:30 तक, विष्कुम्भ योग रात्रि 8:35 तक, बालव करण दिन 1:30 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मेष, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज राजयोग दिन 1:30 से रात्रि 12:18 तक है। आज अपरा एकादशी, भद्रकाली एकादशी, जलक्रीड़ा एकादशी (उड़ीसा), पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:04 तक, शुभ 10:43 से 12:23 तक, चर 3:42 से 5:22 तक, लाभ 5:22 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:44, सूर्यास्त 7:02

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना पड़ सकता है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

कर्क

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में

संक्षिप्त

आधुनिक लेजर ट्रीटमेंट की सुविधा

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के डर्मेटोलॉजी विभाग में त्वचा और सौंदर्य से जुड़ी समस्याओं के उपचार के लिए आधुनिक लेजर तकनीक की सुविधा शुरू की गई है। इसी संबंध में जागरूकता फैलाने हेतु गीतांजली ऑडिटोरियम में विशेष कार्यक्रम में 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया।कार्यक्रम को डॉ. कल्पना, वरिष्ठ त्वचा एवं सौंदर्य रोग विशेषज्ञ एवं विभागाध्यक्ष ने संबोधित किया। उन्होंने बताया कि आधुनिक लेजर तकनीक से अब कई त्वचा संबंधी समस्याओं का सुरक्षित, प्रभावी और किफायती उपचार संभव है। -डॉ. कल्पना, विभागाध्यक्ष, डर्मेटोलॉजी ने बताया कि लेजर ट्रीटमेंट केवल ब्यूटी बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह त्वचा को स्वस्थ, साफ और आत्मविश्वास से भरपूर बनाने में भी अहम भूमिका निभाता है। हमारा प्रयास है कि पुरुषों और महिलाओं दोनों को विश्वस्तरीय, सुरक्षित और किफायती उपचार उपलब्ध कराया जाए। डॉ. कल्पना ने बताया कि लेजर तकनीक त्वचा की गहराई तक जाकर काम करती है।

नर्सेज दिवस मनाया

कपासन, (निसं)। अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस मनाया गया। कपासन ब्लॉक के समस्त नर्सेज ने उपजिला अस्पताल में समारोह का आयोजन किया।कार्यक्रम की शुरुआत प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार यादव के मुख्य आतिथ्य में हुई। वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी भूरा लाल कुमावत, बलदेव सोमानी और अशोक त्रिपाठी ने फ्लोरेंस नाइटिंगेल की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और दीप प्रज्ज्वलित किया।आरएनए के ब्लॉक अध्यक्ष जयंत जोशी ने कहा कि सभी नर्सेज सेवा भाव से मरीजों की परिचर्या करें और उन्हें यह महसूस कराएं कि वे उनकी सेवा के लिए ही उपस्थित हैं।

गुस्साए लोगों ने किया हंगामा

उदयपुर,(कासं) उदयपुर के सवीना थाना क्षेत्र में सोमवारदेर रात डेढ़ से 2 घंटे लाइट नहीं आने से गुस्साए लोगों ने जमकर हंगामा किया। लोगों ने सवीना पावर हाउस पहुंचकर एईएन और जेईएन को कॉल किया लेकिन उन्होंने कॉल अटेंड नहीं किया। इससे स्थानीय लोगों का गुस्सा और फूट पड़ा। लोगों ने रात को जमकर नारेबाजी की और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हंगामा बढ़ता देख सवीना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश का प्रयास किया।जानकारी के अनुसार सवीना पावर हाउस के अंतर्गत आने वाले आरके पुरम,गोकुल विलेज,तीतरड़ी,सवीना सहित कई कॉलोनियां में सोमवार रात बिजली गुल होने की शिकायत आ रही थी। भीषण गर्मी से लोग परेशान हो गए थे। गर्मी से बेहाल लोगों ने बिजली चालू करने के लिए एईएन.जेईएन से सम्पर्क करना चाहा लेकिन उन्होंने कोई जवाबनहीं दिया।जवाब नहीं मिलने पर परेशान लोगों ने पावर हाउस पहुंचकर करीब 1 घंटे तक जमकर हंगामा किया।

अंग्रेजी शराब व कार जब्त, दो धरे

बांसवाड़ा, (निसं)। सज्जनगढ़ थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत 390 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब से भरी कार जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रेंज के आदेशानुसार रेंज स्तरीय अवैध मादक पदार्थ की तस्करी पर रोकथाम के लिये चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत कार चालक व सहयोगी को गिरफ्तार किया।

सड़क हादसे में युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में सरकण पेट्रोल पंप के पास दो मोटरसाइकिलों की भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

'सामाजिक, आर्थिक उन्नयन का श्रेष्ठ माध्यम व सेवा को समर्पित संकल्प है सहकारिता'

उदयपुर, (कासं)। सामाजिक, आर्थिक उन्नयन का श्रेष्ठ माध्यम से सेवा को समर्पित संकल्प है सहकारिता उपरोक्त कथन के साथ भाजपा राजस्थान सहकारिता प्रकोष्ठ की प्रांतीय सहकारिता मंथन बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद मदन राठौड़ ने संबोधन में कहा कि अंत्योदय का श्रेष्ठ मार्ग सहकारिता है जो स्वस्पर्शी, सर्वव्यापी एवं सर्वग्राही नेतृत्व के साथ स्वाभिमान स्वदेश स्वावलंबन से ओत प्रोत है जिसके प्रयास ओर विकास से आत्मनिर्भर भारत में नवसंचार एवं नवऊर्जा का संचारन होने से रोजगारोन्मुखी एवं विकासोन्मुखी की प्रबल एवं अपार संभावनाएं अग्रसर हो रही है।

राठौड़ ने कहा कि सहकारिता को हमने सत्ता संगठन के सेतु से अपराध मुक्त करते हुए पूर्ण ईमानदारी एवं सुचिता के साथ लक्ष्य एकात्म मानववाद एवं दृष्टि अंत्योदय को पूर्ण किया है।

समारोह सत्र के अतिथि सहकारिता मंत्री गौतम दक ने मंथन बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सहकारिता के माध्यम से देश एवं राज्य की प्रगति में पहला पृथक सहकारिता मंत्रालय का गठन एवं केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह का प्रथम सहकारिता मंत्री तथा आनंद में प्रथम सहकारिता विश्व विद्यालय की स्थापना नवाचार के नवीन सहकारी समितियों के निर्माण से लेकर ग्राम सेवा सहकारी समितियों को लेकर सशक्तिकरण एवं बीज, ऑर्गेनिक,

■ **भाजपा राजस्थान सहकारिता प्रकोष्ठ की प्रांतीय सहकारिता मंथन बैठक आयोजित**

निर्यात क्षेत्र में नव सहकारी समितियों का अखिल भारतीय स्तर तक गठन से नई क्रांति से आम जन का सहकारिता में पुन: विश्वास एवं आस्था कायम हुई है, दक ने कहा कि डबल इंजन की सरकारों ने सहकारिता क्षेत्र की महत्ता को प्राथमिकता देकर आम जन की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से हो रहा है, दक ने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में पहली बार खुली सदस्यता सहित अनेक कार्यक्रम जिसमें दिल्ली में लगातार सहकारिता के शिक्षण-प्रशिक्षण से नव सहकारी नेतृत्व को प्राथमिकता दी जा रही है। दक ने कहा कि सहकारिता संपूर्ण क्षेत्र के आम जन में विश्वास, विकास से प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा है। दक ने अनेक योजनाओं की सफल कहानियों का जिक्र करते हुए कहा कि सहकारिता में नवीन तकनीकी एवं नवाचार से राज्य में सहकारिता आज महत्वपूर्ण एवं अग्रणी स्थान रखता है।

भाजपा बलीचा कार्यालय में आयोजित भाजपा सहकार मंथन बैठक के प्रारंभ में भारत माता, डॉ. मुखर्जी, पं. उपाध्याय एवं भंडारी जी के चित्र को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर अतिथियों के स्वागत के पश्चात मेवाड़ी पगड़ी पहना कर महाराणा प्रताप का स्मृति चिन्ह भेंट किया गया प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर ने आगामी कार्यक्रमों की घोषणा की

स्वागत भाषण शहर जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौर धन्यवाद देहात जिला अध्यक्ष पुष्कर तेली ने दिया संयोजन प्रदेश सह-संयोजक चेतन चौधरी ने कियाएवं समापन सत्र का संयोजन कमलेश पुरोहित ने किया। मंथन बैठक में सांसद मन्ना लाल रावत, विधायक फूल सिंह मीणा, जिला प्रभारी हरीश पाटीदार, जिला अध्यक्ष सर्व श्री महावीर सिंह कृष्णावत प्रतापगढ़, अशोक पटेल डूंगरपुर, पूंजीलाल गायरी बांसवाड़ा, रतन लाल गायरी चित्तौड़गढ़, आदि उपस्थित थे।

प्रदेश में 2 लाख 80 हजार 533 लीटर वॉश नष्ट

उदयपुर, (कासं)। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए वॉश नंष्ट कर अभियोग दर्ज किए गए।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत 1 से 11 मई 2026 तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 1044 अभियोग दर्ज किए गए है। प्रदेश में देशी मदिरा 11 लाख 14 हजार 813 रूपए लागत की 4150 लीटर, भारत निर्मित विदेषी मदिरा 9 लाख 40 हजार 994 रूपए की 943 लीटर, बीयर 3 लाख 31 हजार 519 रूपए की 1476 लीटर एवं हथकड शराब 7021 लीटर जब्त की गई है। इसी क्रम में वॉश 2 लाख 80 हजार 533 लीटर नष्ट किया गया है। प्रदेश में अभियान के दौरान बडे वाहन 8, हल्के चार पहिया 2 एवं दुपहिया वाहन 32 सहित 42 वाहन जब्त करते हुए 380 व्यक्तियों का गिरफ्तार किया गया है।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। जिला हनुमानगढ में नोहर, संगरिया एवं हनुमानगढ में आबकारी निरोधक दल की दबिश कार्रवाई में 5100 लीटर वॉश एवं 7 कच्ची भट्टियां नष्ट की गई साथ ही 4 मोटरसाईकल, 85 देशी शराब के पव्वे, 35 लीटर हथकड शराब भी जब्त की गई। चित्तोडगढ में नीमच हाईवे पर ईपीएफ टीम निम्बाहेडा द्वारा नाकाबंदी कर वाहनों की सघन जांच की गई। चित्तोडगढ - कोटा हाईवे पर भी नाकाबंदी की वाहनों की जांच की गई। श्रीकरणपुर में साबू की मोर एवं समीपस्थ गांवों में दबिश की कार्रवाई के तहत 150 लीटर वॉश नष्ट करते हुए मौके से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। नागौर में ईपीएफ टीम की कार्रवाई में 200 लीटर वॉश मौके पर नष्ट करते हुए 4 लीटर अवैध हथकड शराब बरामद की गई। जोधपुर में लूनी, सरदारपुरा मुख्यालय, जोधपुर शहर, फलौदी में कार्रवाई के तहत 9 फरार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

त्याग, तपस्या व समर्पण का प्रतीक है नर्सिंग पेशा : प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर, (कासं)। अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस के अवसर पर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संघटक नर्सिंग विभाग द्वारा मंगलवार को हमारे नर्स, हमारा भविष्य: सशक्त नर्स जीवन बचाते हैं थीम पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सिंग विद्यार्थियों ने कैंडल जलाकर मानव सेवा, करुणा और बिना किसी भेदभाव के मरीजों की सेवा करने की शपथ ली। साथ ही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बेटी बचाओ्बेटी पढ़ाओ का सामाजिक संदेश देकर उपस्थितजनों को जागरूक किया।

■ **कैंडल जलाकर मानव सेवा की ली शपथ, नुक्कड़ नाटक से दिया बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश**

समारोह का शुभारंभ कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर, प्राचार्य डॉ. मोहसिन छीपा, मुकेश चौधरी ने आधुनिक नर्सिंग सेवा की जनक फ्लोरेंस नाइटिंगेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। परिसर में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई रंगोली एवं स्वास्थ्य जागरूकता आधारित मॉडल प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही।

प्राचार्य डॉ. मोहसिन छीपा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि नर्सिंग केवल एक रोजगार नहीं बल्कि मानवता की सेवा का सबसे बडा माध्यम है। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से विद्यार्थियों में सेवा भावना, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने अपने संबोधन में अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस 2026 की थीम हमारे नर्स, हमारा भविष्य: सशक्त नर्स जीवन बचाते हैं को वर्तमान स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि यह थीम नर्सिंगकर्मियों की भूमिका को केवल मरीजों की देखभाल तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें समाज की स्वास्थ्य सुरक्षा की सबसे मजबूत कड़ी के रूप में स्थापित करती है। उन्होंने कहा कि एक सशक्त, प्रशिक्षित और संवेदनशील नर्स ही स्वस्थ समाज की आधारशिला होती है। नर्सिंग त्याग, तपस्या और समर्पण का पेशा है, जहां सेवा ही सबसे बड़ा धर्म माना जाता है।

प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि मरीज का आधा उपचार नर्सिंगकर्मी के व्यवहार, आत्मीयता और सकारात्मक संवाद से ही हो जाता है। रोगी डॉक्टर से अधिक समय नर्सिंगकर्मियों के साथ बिताता है, इसलिए उसके मनोबल को मजबूत करने में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि नर्सिंग पेशा कला और विज्ञान का अद्भुत संगम है, जिसमें एक ओर तकनीकी दक्षता आवश्यक है तो दूसरी ओर मानवीय संवेदनशीलता भी उतनी ही जरूरी है। केवल दवा से मरीज पूर्ण स्वस्थ नहीं हो सकता, उसके लिए सेवा, सहानुभूति और मानवीय स्पर्श भी आवश्यक है।।

कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस नर्सिंगकर्मियों के सेवाभाव को नमन करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब संक्रमित व्यक्ति अपने परिवार से दूर था, तब नर्सिंगकर्मी ही उसका सबसे बड़ा सहारा बने।

50 से अधिक कांग्रेसियों ने थामा भाजपा का दामन

उदयपुर,(कासं)। उदयपुर की गोगुंदा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी से जुड़े 4 सरपंचों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। इसमें गोगुंदा और सायरा पंचायत समिति से आने वाले इन सभी का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी का दुपट्टा ओढ़ा कर स्वागत किया। कुल 51 लोग कांग्रेस छोड़ भाजपामें शामिल हुए हैं।

उदयपुर की गोगुंदा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी से जुड़े 4 सरपंचों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। इसमें गोगुंदा और सायरा पंचायत समिति से आने वाले इन सभी का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी का दुपट्टा ओढ़ा कर स्वागत किया। कुल 51 लोग कांग्रेस छोड़ बीजेपी में शामिल हुए हैं।

भाजपा की चौपाल ग्राम रथ योजना के तहत प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ गोगुंदा पहुंचे। रावलिया कला स्थित ऋषि राय धाम में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा देहात जिलाध्यक्ष पुष्कर तेली के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजीए ढोल.नगाड़ों और जेसीबी से पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया।

भाजपा देहात अध्यक्ष पुष्कर तेली ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के कई कांग्रेस समर्थित सरपंचों एवं ग्रामीणों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इनमें सायरा सरपंच संघ अध्यक्ष वालाराम गमेती, सायरा सरपंच सुरमा राम गरासिया,करदा सरपंच टमु बाई और सीमांद सरपंच और वार्ड पंच वना राम गमेती शामिल हैं। इसके अलावा सिंघाड़ा के फूलाराम,सेमड़ के वनाराम तथा सामल के प्रकाश गमेती सहित सायरा और गोगुंदा क्षेत्र के कुल 51 लोगों ने भाजपा का दामन थामा। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सभी को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी,उदयपुर सांसद डा.मन्नालाल रावत,गोगुंदा विधायक प्रताप लाल गमेती,प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी नाहर सिंह जोधा,पूर्व विधायक रणधीर सिंह भींडर तथा प्रदेश मंत्री मोतीलाल मीणा सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द

उदयपुर, (कासं)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने 3 मई 2026 को आयोजित हुई देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी परीक्षा को रद्द कर दिया है। एजेंसी ने कहा कि जांच एजेंसियों से प्राप्त रिपोर्ट और परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े गंभीर इनपुट के बाद परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह कदम उठाना जरूरी हो गया था।एजुकेशन काउंसलर विकास छाजेड़ ने बताया की एनटीए द्वारा अब नीट यूजी 2026 परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी। नई परीक्षा तिथि, एडमिट कार्ड जारी करने का शेड्यूल व जानकारी जल्द ही अधिकृत माध्यमों से जारी की जाएगी।

मशीन का शुभारंभ

उदयपुर, (कासं)। दक्षिण राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देते हुए पिम्स सिटी हॉस्पिटल में पहली एवं एकमात्र अत्याधुनिक मशीन का शुभारंभ किया गया। यह मशीन 0.1 एमएम की सटीकता के साथ जांच करने में कारगर है, जिससे कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों का प्रारंभिक एवं अत्यंत सटीक निदान संभव हो सकेगा। इस अत्याधुनिक मशीन का उद्घाटन लीला देवी अग्रवाल, चेयरमैन आशीष अग्रवाल, चेयरपर्सन शीतल अग्रवाल एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी नमन अग्रवाल द्वारा किया गया। इस दौरान अनुभवी कैंसर विशेषज्ञों की टीम भी उपस्थित रही, जिनमें डॉ. कुरैश भंभोरा, डॉ. सुमित अठावाल, ममता लोढा एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जे.के. छापरवाल मौजूद रहे।अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि यह अत्याधुनिक तकनीक मरीजों के बडे महानगरों में जाने की आवश्यकता को काफी हद तक कम करेगी तथा उदयपुर एवं दक्षिण राजस्थान के मरीजों को अब विश्वस्तरीय जांच सुविधा अपने शहर में ही उपलब्ध हो सकेगी।

उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल में परिजनों का हंगामा

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल में कार की टक्कर से व्यक्ति की मौत मामले में ग्रामीणों के साथ परिजनों ने जमकर हंगामा कर दिया। मंगलवार सुबह 10 बजे गुस्साए लोग मॉर्च्यूरी के बाहर धरने पर बैठ गए और शव लेने से इनकार कर दिया।

हालांकि दोपहर करीब 1.30 बजे गिर्वा एसडीएमअवुला साइकृष्ण धरना स्थल पहुंचे हैं। उन्होंने परिजनों से समझाइश का प्रयास किया और कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया ।प्रदर्शनकारियों ने हादसे के जिम्मेदार कार ड्राइवर की जल्द गिरफ्तारी की मांग करते हुए पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि हादसे में तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस कार ड्राइवर को पकड़ नहीं पाई

घटना सुखेर थाना क्षेत्र में सियालपुरा मेन रोड पर 10 मई को रात करीब 8 बजे की है।जब नंदलाल राव सियालपुरा मेन रोड से पैदल अपने गांव सियालपुरा में जा रहे थे। तभी सियालपुरा गांव की तरफ से एक काले रंग की स्कॉर्पियो कार तेज स्पीड में आई और लापरवाही पूर्वक नंदलाल को टक्कर मार दी।टक्कर इतनी तेज थी कि नंदलाल उछलकर दूर जा गिरे। हादसे में उनका पेट और सिर पर गंभीर चोट लगी थी। वहीं कार चालक टक्कर मारकर तुरंत फरार हो गया था। परिजनों ने इसकी रिपोर्ट सुखेर थाना पुलिस में दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।परिजनों का कहना है कि घटना के तीसरे दिन तक पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार ड्राइवर पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की है। जब तक आरोपी गिरफ्तार नहीं होगा। तब तक शव नहीं उठाएंगे।

अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस मनाया

उदयपुर,(कासं)। नर्सिंग की जननी फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को भीलों का बेदला स्थित पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अस्पताल परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नर्सिंग स्टॉफ ने केक काटकर एक-दूसरे को बधाई दी और मानवता की सेवा का संकल्प दोहराया।

पीएमसीएच चेयरमैन राहुल अग्रवाल ने सभी नर्सिंग कर्मियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन सेवा और त्याग की प्रतिमूर्ति है।

अग्रवाल ने कहा कि नर्सिंग कर्मी किसी भी अस्पताल की रीढ़ की हड्डी की तरह होते हैं। डॉक्टर इलाज लिखते हैं, लेकिन उस इलाज को सेवा और ममता के साथ मरीज तक पहुँचाने का कार्य नर्सेज ही करते हैं। मरीजों की सेवा में उनका समर्पण, त्याग और बिना किसी भेदभाव के दी जाने वाली सेवा वास्तव में काबिले तारीफ है।

प्रारूप-10 (नियम-6(7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

सं. 40-41 दिनांक: 12.05.2026

लोक सूचना

श्री अर्जुनलाल पिता श्री गुलाबचन्द सालवी निवासी संग्रामपुरा, विजयपुरा तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द, इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्-

क्र. सं.	तहसील का नाम जिले सहित	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1.	राजसमन्द	एमड़ी	76	रकबा 0.3076 हैक्टेयर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 12.05.2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगरपरिषद, राजसमन्द

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांक : F-7 ( )B.Plan/Misc/2025-26/868 दिनांक:- 8/5/2026

आम - सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के द्वारा दिनांक 14-10-2024 को विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां (Development Promotion & Control Regulations) हेतु जारी अधिसूचना एवं इसकी निरन्तरता मे समय-समय पर जारी आदेशों/ परिपत्रों/अधिसूचनाओं आदि की अनुपालना में निम्नलिखित प्रकरण भू-उपयोग परिवर्तन बाबत् विचाराधीन हैः-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम/ योजना	खसरा संख्या/ ब्लॉक संख्या	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	भूखण्ड / भूमि की स्थिति	भू-उपयोग परिवर्तन
1	श्री निरज पुर्बिया पिता श्री प्रेमचन्द पूर्बिया	भुवाणा	2005 एवं 2006	13	3492.00 वर्गफीट	आर. के. चौराहे से भुवाणा चौराहे को जाने वाली 150 फीट सडक पर ब्रान्डकार्ट स्टोर के समीप स्थित है।	आवासीय उपयोग से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ

उक्त प्रकरण के भू-उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्राधिकरण कार्यालय में इस सूचना जारी होने की तिथि से 15 दिवस में किसी भी कार्य दिवस में निम्नहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर सकते है। इस समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर भू-उपयोग परिवर्तन बाबत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

सचिव
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत उपली सिगरी पंचायत समिति फलासिया जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांकः स्वा. योजना/26-27/07 दिनांक 11.05.2026

आपत्ति आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत उपली सिगरी के समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि स्वामित्व योजना के अन्तर्गत भारतीय सर्वेक्षण विभाग से प्राप्त ग्राम राजस्व ग्राम पाटिया के सर्वे प्रपत्र एवं नक्शा 2.0 को आमजन के लिए प्रदर्शित किया जाकर आपत्तिया आमंत्रित की जाती है। साथ ही उक्त सर्वे तथा नक्शा ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रत्येक परिवार का विवरण मय भूमि नक्शा सहित सर्वे ग्रामजन हेतु अवलोकनार्थ भी उपलब्ध है। इस सर्वे प्रपत्र संख्या 2.0 में किसी भी प्रकार की कोई आपत्तियां/संशोधन हेतु आपत्तिया ग्राम पंचायत कार्यालय में आपत्ति पत्र जारी होने के 7 दिन में प्रस्तुत करें। आबादी भूमि की सीमा व नक्शे में ड्रोन सर्वे द्वारा प्रदर्शित प्रोपर्टीज की सीमा व नाम के संबंध में आपी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

प्रशासक
ग्राम पंचायत उपली सिगरी
पंचायत समिति फलासिया

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत उपली सिगरी
पंचायत समिति फलासिया

राजस्थान सरकार

माणिक्यलाल वर्मा, आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर

अशोक नगर, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: एफ-( ) टीआरआई/म्यूजियम/2026-27 दिनांक: 12/05/2026

निविदा सूचना

संस्थान में चिन्हित आर्टिफैक्ट्स को संस्थान स्तर पर संग्रहालय में डिस्पले करने के लिए फर्नीचर इत्यादि कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र. सं.	निविदा सं.	UBN No	NIB No	अनुमानित लागत	प्रारंभ तिथि	अंतिम तिथि
1.	02/2026-27	TAD2627WSOB00005	TAD2627A0006	8,53,000 रू	12.05.2026	20.05.2026 AT 01:00 PM

उक्त निविदा www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

(ओ.पी. जैन)RAS
निदेशक

कार्यालय पंचायत समिति मावली, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक पंसमा/लेखा/निविदा/2026-27 दिनांक

निविदा सूचना संख्या 1/2026-27

वार्षिक दर अनुबंध/निविदा सूचना वर्ष 2026-27

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पंचायत समितिम ावली के कार्यालय तथा इसमें संचालित विभिन्न योजनाओं, नरेगा, में वित्तीय वर्ष 2026-27 में निम्नांकित कार्य कराये जाने एवं सामग्री क्रय हेतु वार्षिक दर संविदा हेतु खुली निविदा सुचना के द्वारा मुहरबन्द निविदाएं पंचायत समिति मुख्यालय पर आमंत्रित की जाती है :-

क्र. सं.	कार्य का नाम/सामग्री	अनुमानित लागत रू. (लाखों में)	अमानत राशि/ अर्नेस्ट मनी	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा प्रपत्र बेचने की अन्तिम तिथि व समय	निविदा प्रपत्र जमा कराने की अन्तिम तिथि व समय	निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि
1.	कार्यालय उपयोग हेतु स्टेशनरी आपूर्ति	4.50	9000/-	500/-	21.05.2026 को सांय 6.00 बजे तक	22.05.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक	22.05.2026 को दोपहर 2.30 बजे से
2.	प्रिन्टींग कार्य	4.50	9000/-	500/-	21.05.2026 को सांय 6.00 बजे तक	22.05.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक	22.05.2026 को दोपहर 2.30 बजे से
3.	फोटो स्टेट कार्य	1.00	2000/-	500/-	21.05.2026 को सांय 6.00 बजे तक	22.05.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक	22.05.2026 को दोपहर 2.30 बजे से
4.	कम्प्यूटर व प्रिन्टर रिपेयरिंग व कार्टेज रिफिलिंग व सीसीटीवी कैमरा मरम्मत मेंटेनेंस कार्य।	4.00	8000/-	500/-	21.05.2026 को सांय 6.00 बजे तक	22.05.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक	22.05.2026 को दोपहर 2.30 बजे से
5.	भोजन व अल्पाहार	4.00	8000/-	500/-	21.05.2026 को सांय 6.00 बजे तक	22.05.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक	22.05.2026 को दोपहर 2.30 बजे से
6.	टेन्ट व्यवस्था	5.00	10000/-	500/-	21.05.2026 को सांय 6.00 बजे तक	22.05.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक	22.05.2026 को दोपहर 2.30 बजे से

नोट:- 1 निविदा सूचना व शर्ते तथा पूर्ण विवरण की जानकारी sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No.
1. ZUD2627GSOB00652
2. ZUD2627GSOB00653
3. ZUD2627GSOB00655
4. ZUD2627GSOB00656
5. ZUD2627GSOB00659
6. ZUD2627GSOB00662

(शैलेन्द्र पी. खीची)
विकास अधिकारी
पंचायत समिति मावली

प्रारूप-10 (नियम-6(7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

सं. 42-43 दिनांक: 12.05.2026

लोक सूचना

श्री सुमेरमल पिता श्री रोडीलाल महाजन निवासी घोईन्दा, इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्-

क्र. सं.	तहसील का नाम जिले सहित	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1.	राजसमन्द	घोईन्दा	925	रकबा 0.0809 हैक्टेयर

इसल

राजस्थानी भाषा को लेकर व्यापक नीति बनाएं राजस्थान सरकार - सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिये कि राजस्थान सरकार सरकारी और निजी स्कूलों में राजस्थानी भाषा को एक विषय के रूप में शामिल करने के लिए व्यापक नीति बनाएं

जोधपुर, (कासं)। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं कि वह राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में राजस्थानी भाषा को एक विषय के रूप में शामिल करने के लिए व्यापक नीति बनाए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने यह ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सरकार के ढुलमुल रवैये पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि जब राजस्थानी भाषा को विश्वविद्यालयों में पढ़ाया जा रहा है, तो स्कूली स्तर पर इसे लागू करने में देरी क्यों?

- **कोर्ट ने कहा कि जब राजस्थानी भाषा को विश्वविद्यालयों में पढ़ाया जा रहा है, तो स्कूली स्तर पर इसे लागू करने में देरी क्यों?**
- **सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को एक समयबद्ध और चरणबद्ध तरीके से इसे लागू करने को कहा है**
- **शुरुआत में फाउंडेशनल और प्रिपरेटरी स्तर पर राजस्थानी को माध्यम या विषय के रूप में जोड़ा जाए, फिर धीरे-धीरे इसे उच्च कक्षाओं में भी अनिवार्य किया जाए**

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह संवैधानिक अधिकारों के हनन पर मूक दर्शक बनकर नहीं रह सकता। बेंच ने कहा कि बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा देना नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी 2020) का मूल मंत्र है, जिसे लागू करना राज्य का कर्तव्य है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को एक समयबद्ध और चरणबद्ध तरीके से इसे लागू करने को कहा है। शुरुआत में फाउंडेशनल और प्रिपरेटरी स्तर पर राजस्थानी को माध्यम या विषय के रूप में जोड़ा जाए, फिर धीरे-धीरे इसे उच्च कक्षाओं में भी अनिवार्य किया जाए।

यह आदेश केवल सरकारी स्कूलों के लिए नहीं, बल्कि राजस्थान के हर प्राइवेट स्कूल के लिए भी बाध्यकारी होगा। गौरतलब है कि याचिकाकर्ताओं ने केवल स्कूली शिक्षा ही नहीं, बल्कि रीट के सिलेबस में भी राजस्थानी भाषा को शामिल करने की मांग की थी। कोर्ट के इस रुख के बाद अब राजस्थान में शिक्षक बनने के लिए राजस्थानी भाषा का ज्ञान होना अनिवार्य हो सकता है। इससे राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे।

2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में लगभग 4.36 करोड़ लोग राजस्थानी बोलते हैं। लंबे समय से राज्य सरकार यह तर्क देती रही थी कि राजस्थानी संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल नहीं है, इसलिए इसे स्कूलों में पढ़ाना मुश्किल है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस पुराने ढर्रे वाली सोच को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि शैक्षिणक मान्यता के लिए 8वीं अनुसूची का इंतजार करना तर्कहीन है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को सितंबर 2026 में फिर से लिस्ट किया है। तब तक राजस्थान सरकार को कोर्ट को यह बताना होगा कि उन्होंने इस आदेश को लागू करने के लिए क्या नीति बनाई है और स्कूलों में राजस्थानी पढ़ाने की तैयारी कहां तक पहुंची है।

अजमेर में एक करोड़ की चरस के साथ दो नेपाली तस्कर गिरफ्तार

एटीएस की सूचना पर अजमेर की सिविल लाइन थाना पुलिस ने कार्रवाई की

अजमेर, (कासं)। अजमेर पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। एटीएस की सूचना पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो नेपाली तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों के पास से दो किलो उच्च गुणवत्ता वाली चरस बरामद की गई है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी जा रही है।

- **पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चरस की खेप लेकर बस के जरिए नेपाल से भारत पहुंचे और फिर अलग-अलग साधनों से होते हुए अजमेर आए थे**
- **प्रारंभिक जांच के अनुसार ये तस्कर नेपाल से मादक पदार्थ लाकर भारत के विभिन्न शहरों में सप्लाई करने का काम करते हैं**
- **पुलिस जांच कर रही है कि अजमेर में यह डिलीवरी किसे दी जानी थी**

मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए एडिशनल एसपी सिटी हिंमाशू जांगिड़ ने बताया कि एटीएस से इनपुट मिला था कि नेपाल से दो युवक चरस की बड़ी खेप लेकर अजमेर आ रहे हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सिविल लाइन थाना पुलिस ने एमडीएस यूनिवर्सिटी तिराहे पर नाकाबंदी की। इस दौरान रोडवेज बस से उतरे दो युवक पुलिस को देखकर घबरा गए और भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने संदिग्धों को घेरकर तलाशी ली तो उनके पास से अवैध मादक पदार्थ बरामद हुआ। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नेपाल निवासी खेमकुमार पुत्र भीमसारु तथा अजय राणा पुत्र महरमान राणा है।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चरस की खेप लेकर बस के जरिए नेपाल से भारत पहुंचे और फिर अलग-अलग साधनों से होते हुए अजमेर आए थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार ये तस्कर नेपाल से मादक पदार्थ लाकर भारत के विभिन्न शहरों में सप्लाई करने का काम करते हैं।

हिमांशु जांगिड़, एडिशनल एसपी सिटी अजमेर ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। अब पुलिस इस पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है कि अजमेर में यह डिलीवरी किसे दी जानी थी और इस गिरोह के तार और कहां जुड़े हैं।

टोंक में 10 अवैध हथियार जब्त, पांच जनों को पकड़ा

उनियारा पुलिस टीम ने भारी मात्रा में अवैध हथियार, बारूद और छर्रे बरामद किये।

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत उनियारा वृताधिकारी के नेतृत्व में उनियारा पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए भारी मात्रा में अवैध हथियार, बारूद और छर्रे बरामद कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, छापेमारी के दौरान 10 अवैध हथियार जब्त किए गए, इनमें 6 देशी टोपीदार बंदूकें, 1 देशी कट्टा और 3 एयरगन शामिल हैं। इसके अलावा, भारी मात्रा में गन पाउडर (बारूद), 20 मोटे छर्रे, 655 मध्यम छर्रे और 100 एयरगन पैलेट्स भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर थाना बनेठा और थाना उनियारा क्षेत्र में सुनियोजित तरीके से दबिश दी। बनेठा थाना क्षेत्र से 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर 3 मामले दर्ज किए गए, जबकि उनियारा थाना क्षेत्र से एक आरोपी को गिरफ्तार उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

जोधपुर में घर में घुसकर महिलाओं के गहने लूटे

जोधपुर, (कासं)। शहर के कुड़ी भगतासनी क्षेत्र सेक्टर 12 में घर में घुसकर अपहरण का प्रयास करने के साथ मारपीट की गई। आरोपियों ने घर की महिलाओं से भी अभद्र व्यवहार किया और वहां से सोने-चांदी के गहने ले गए। पीड़ित की तरफ से विवेक विहार थाने में एससी-एसटी एक्ट में प्रकरण दर्ज करवाया गया है।

विवेक विहार थाना पुलिस ने बताया कि 11 मई की रात को सेक्टर 12 में रहने वाले एक व्यक्ति के घर में कुछ लोगों ने प्रवेश कर उसके अपहरण का प्रयास किया। बीच-बचाव में आई महिलाओं से अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट की। आरोपी घर से सोने-चांदी की चेन के साथ चांदी के अंगूठियां और 12800 रूपए लूट कर ले गए। प्रकरण में एसीपी स्तर के अधिकारी की तरफ से जांच की जा रही है।

पात्रता जांच हेतु विचारित सूची जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा एग्रीकल्चर रिसर्च ऑफिसर-प्लांट पैथोलॉजी (कृषि विभाग) भर्ती-2024 के तहत पात्रता जांच के लिए विचारित सूची जारी कर दी गई है। विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि भर्ती के प्रथम प्रश्न पत्र की परीक्षा 12 अक्टूबर 2025 तथा द्वितीय प्रश्न पत्र की परीक्षा 16 अक्टूबर 2025 को आयोजित की गई थी। परीक्षा परिणाम के आधार पर 12 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच हेतु विचारित सूची में शामिल किया गया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह विचारित सूची केवल दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया के लिए जारी की गई है। इसे अंतिम चयन या वरीयता सूची नहीं माना जाएगा। अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची कृषि विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन पूर्ण होने के बाद आयोग जारी करेगा।

डॉ. भुवनेश जैन को ''मुंणोत नैणसी मारवाड़ रत्न सम्मान'' से सम्मानित किया

जोधपुर के 568 वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में 19 प्रतिभाओं का सम्मान किया

जयपुर/जोधपुर। जोधपुर के 568 वें स्थापना दिवस पर मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट की ओर से मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर जोधपुर में मंगलवार को आयोजित मारवाड़ रत्न समारोह में बाड़मेर के पर्यावरण, संस्कृतिकर्मी एवं प्रख्यात लेखक डॉ. भुवनेश जैन को मुंणोत नैणसी मारवाड़ रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सांसद राव राजेंद्र सिंह शाहपुरा के मुख्य आतिथ्य एवं पूर्व महाराजा गज सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में अतिथियों ने भुवनेश जैन को शॉल, श्रीफल, सम्मान पत्र और नकद 51 हज़ार रूपये की राशि से पुरस्कृत किया। यह मारवाड़ रत्न पुरस्कार डॉ. जैन को उनकी प्रखर लेखनी से मारवाड़ की लोक संस्कृति, ओरण व थार के पर्यावरण संरक्षण, आदिवासी भील, हस्तशिल्प एवं कलात्मक विरासत को अंतर्राष्ट्रीय पटल पर गौरवपूर्ण स्थान दिलाने और समाचार पत्रों में शोधपूर्ण लेखों द्वारा मरुधरा की सांस्कृतिक परम्पराओं के उत्कृष्ट संरक्षण तथा योगदान के लिए प्रदान किया गया है। इस अवसर पर धनाऊ की झीमा देवी सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 19 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

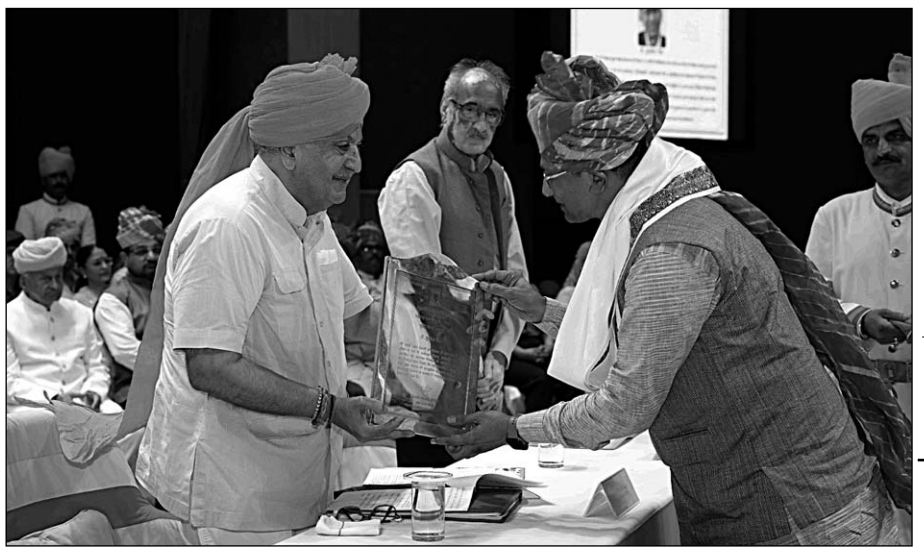

जोधपुर में बाड़मेर के पर्यावरण, संस्कृतिकर्मी एवं लेखक डॉ. भुवनेश जैन को सम्मानित किया गया।

डॉ. जैन ने वर्ष 1989-90 से ओरण - गोचर सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, जन जागरण एवं पैरवी का कार्य शुरू किया था। उनके प्रयासों से अकेले बाड़मेर में 250 से अधिक अतिक्रमणों के विरुद्ध कार्रवाई हुई। भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र वर्तमान मे मेरा युवा भारत के निदेशक पद से सेवानिवृत्त डॉ. जैन का नियमित रूप से प्रखर लेखन कार्य आज भी जारी है। जैन ने पर्यावरण के साथ लोक संस्कृति संरक्षण एवं लेखन, रेगिस्तानी आदिवासी भील इतिहास, संस्कृति, थार के हस्तशिल्प पर शोधपूर्ण महत्वपूर्ण कार्य किया है। डॉ. जैन की पहचान ओरण दूत, ओरण मैन के रूप में रही है। वर्तमान में डॉ. जैन सोसाइटी टु अपलिफ्ट रूरल इकोनामी नामक संस्था से जुड़े हैं। डॉ. जैन को मारवाड़ रत्न अवार्ड पर पर्यावरण प्रेमियों, लोक कलाकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है।

अलवर : यूआईटी और निगम की संपत्ति कुर्क करने के आदेश

अलवर, (निसं)। लगातार लापरवाही और न्यायालय के आदेशों की अवहेलना के चलते एसीजेएम कोर्ट ने अब यूआईटी और नगर निगम की संपत्ति कुर्क करने के आदेश जारी किए हैं। इससे पहले कोर्ट ने कलैक्टर कार्यालय व उनकी कार को कुर्क करने के आदेश दिए थे।

मामले की जानकारी देते हुए अधिवक्ता तरुण सैनी ने बताया कि यूआईटी मामले में खांचा भूमि सुंदरलाल सैनी को देने के आदेश पूर्व में जारी किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद करीब ढाई साल तक यूआईटी यह कहती रही कि संबंधित डॉक्यूमेंट नगर निगम को सौंप दिए गए हैं। आरोप है कि न्यायालय ने 1207 खसरा नंबर को लेकर रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश दिए थे, लेकिन अधिकारियों ने 674 और 676 खसरा नंबर की रिपोर्ट दर्ज कराकर न्यायालय को गुमराह करने का प्रयास किया। मामले में न्यायालय ने जिला कलैक्टर अर्तिका शुक्ला को भी कई बार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। वहीं नगर निगम की ओर से भी मामले में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। लगातार लापरवाही और न्यायालय के आदेशों की अवहेलना को गंभीर मानते हुए न्यायालय ने अब यूआईटी और नगर निगम की संपत्ति कुर्क करने के आदेश जारी कर दिए हैं। यह मामला खांचा भूमि आवंटन नहीं करने का है।

बीकानेर में पुलिस ने मध्य प्रदेश के हथियार तस्कर को पकड़ा

बीकानेर, (निसं)। पुलिस ने मध्य प्रदेश के एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो अवैध पिस्टल और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी को श्रवण सोडा गैंग का मुख्य हथियार सप्लायर बताया जा रहा है।

- **दो पिस्टल और दस जिंदा कारतूस बरामद, नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस**
- **आरोपी को श्रवण सोडा गैंग का मुख्य हथियार सप्लायर बताया जा रहा है**

जानकारी के अनुसार कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन में डीएसटी और बीछवाल थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की। गिरफ्तार आरोपी शिवा निवासी बैतूल, मध्य प्रदेश का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार आरोपी हाल ही में अवैध पिस्टल तस्करी के एक मामले में जमानत पर बाहर आया था और बाहर आते ही फिर से हथियार तस्करी में सक्रिय हो गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सितंबर 2025 में खाजूवाला क्षेत्र में सामने आए पिस्टल तस्करी प्रकरण में भी आरोपी जेल जा चुका है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी के बीकानेर और आसपास के क्षेत्रों में किन-किन लोगों से संपर्क थे और अवैध हथियारों की सप्लाई का नेटवर्क कितना बड़ा है। पुलिस को सायबर सेल से मिले इनपुट के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सायबर सेल के एएसआई दीपक यादव की सूचना पर डीएसटी और थाना पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन चलाकर आरोपी को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संगठित अपराध और नए कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि वह हथियार कहां से लाता था और किन अपराधियों तक सप्लाई करता था। बीकानेर पुलिस अब आरोपी के नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य तस्करों की तलाश में जुट गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अवैध हथियार तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अवैध हथियारों के साथ दो गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की मथानिया और कुड़ी पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर टोपीदार बंदूक एवं चाकू बरामद किया। दोनों के खिलाफ ऑर्म्स एक्ट में प्रकरण बनाए गए हैं। वहीं पुलिस ने आगे की जांच शुरु कर दी है।

मथानिया पुलिस थाने के एएसआई सोहनलाल ने जुगत सिंह नगर बालरवा गांव में दबिश देकर एक ट्यूबवैल पर रहने वाले बिरमाराम पुत्र बंशीलाल से टोपीदार बंदूक को जब्त कर ऑर्म्स एक्ट में मामला बनाया। वहीं दूसरी तरफ कुड़ी भगतासनी थाने के एएसआई महेंद्र कुमार ने राजीव गांधी कच्ची बस्ती क्षेत्र में भूराराम पुत्र सुकाराम को पकड़ा और धारदार चाकू बरामद किया। उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया।

एनजीटी के सख्त निर्देश के बाद भी सांभर झील में वाटर स्टोरेज के लिए हो रही है खुदाई

सांभरझील, (निसं)। रामसर साइट में दर्ज विश्व नम भूमि का दर्जा प्राप्त लवणीय झील में वर्तमान में हजारों की तादाद में फ्लेमिंगो पक्षियों का इस भीषण गर्मी में भी जमावड़ा इस बात का स्पष्ट सबूत है कि इन परिंदों को यहां का वातावरण माफिक आ गया है। शीतकालीन सत्र में हजारों किलोमीटर की यात्रा कर यहां आकर यह अपने प्रजनन की क्रिया को अंजाम देते हैं, अंडों की सुरक्षा करते हैं तथा बच्चों के बाहर आने का इंतजार करते हैं, इनके बड़े होने तक मादा फ्लेमिंगो उनकी पूरी सुरक्षा करती है। ऐसे में इन बच्चों के बड़ा होकर उड़ने लायक होने तक फ्लेमिंगो यहीं पर बैठे रहते हैं और यह सिलसिला प्रतिवर्ष इसी प्रकार चलता है। यह सब संज्ञान में होने के बावजूद सांभर साल्टस लिमिटेड अपने फायदे के लिए कुछ मीटर की दूरी पर ही जेसीबी से खुदाई करवाकर वाटर स्टोरेज के लिए एक वृहद तालाबनुमा गड्ढा तैयार किया जा रहा है।

- **एनजीटी की तरफ से भी सख्त निर्देश हैं कि इस परिक्षेत्र में ऐसी कोई गतिविधि संचालित ना की जाए जो परिंदों की संवेदनशीलता को डिस्टर्ब करें**

सांभर साल्टस लिमिटेड अपने फायदे के लिए कुछ मीटर की दूरी पर ही जेसीबी से खुदाई करवाकर वाटर स्टोरेज के लिए एक वृहद तालाबनुमा गड्ढा तैयार किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मामले में एनजीटी की तरफ से भी सख्त निर्देश हैं कि इस परिक्षेत्र में ऐसी कोई गतिविधि संचालित ना की जाए जो परिंदों की संवेदनशीलता को डिस्टर्ब करें, राज्य सरकार को भी इसकी पालना सुनिश्चित किए जाने के लिए पहले से ही सुनिश्चित किया हुआ है। पर्यावरण संरक्षण पशु विशेषज्ञ डॉ. आबिद अली खान इस मामले में गहरी चिंता व्यक्त कर उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल को पत्र लिखकर तुरंत एक्शन लिए जाने का आग्रह किया है। उन्होंने एसडीएम को बताया कि वर्तमान में इस जगह खसरा संख्या 1295/1275, ग्राम झपोक, शाकंभरी माता, मंदिर रोड़, सांभरलेक के सामने इलेक्ट्रिसिटी लाइन के नजदीक जेसीबी की सहायता से कुछ कार्मिकों द्वारा खुदाई एवं मिट्टी हटाने एवं स्थानांतरित करने का कार्य चल रहा है, जिस स्थान पर जेसीबी मशीन से खुदाई एवं मिट्टी हटाने का कार्य चल रहा है उस के पीछे की तरफ़ फ़्लैमिंगो जो एक संकटग्रस्त प्रजाति है, बैठे हुए देखे जा सकते हैं। यहीं पर इस अवधि के दौरान क्योंकि यह प्रजनन काल का समय है तो संभवतया ये पक्षी घोंसलों का निर्माण कर रहे हों सकते हैं। अत: आपसे निवेदन है कि यथाशीघ्र इस कार्य को रुकवा कर संकटग्रस्त प्रजाति फ़्लैमिंगो को प्रजनन हेतु में प्राकृतिक वातावरण दिया जाए तथा इस प्रक्रिया में बाधा बनने जा रहे इस कार्य को तुरंत रुकवाया जाए। ध्यान देने योग्य है कि इस क्षेत्र में जहाँ अभी यह कार्य चल रहा है, पूर्व में कभी भी नमक निर्माण क्यार इत्यादि नहीं बनाये गए हैं। पूर्व में इस स्थान पर ट्यूबवैल की भी खुदाई का प्रयास किया गया था, लेकिन लोगों के विरोध से बंद करना पड़ा था।

2.62 लाख का गांजा जब्त, आरोपी को पकड़ा

चूरू, (कासं)। पुलिस ने 2 लाख 62 हजार 800 रूपये 5.256 किलोग्राम अवैध गांजा जप्त किया। साथ ही युवाओं में नशा फैलाने से पूर्व ही आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

जिला पुलिस अधीक्षक चूरू, निश्चय प्रसाद एम.ने बताया कि पुलिस थाना सुजानगढ़ पर अलग-अलग टीमें गठित की गयी, गठित टीम प्रभारी रामस्वरूप उनि मय टीम को मेगा हाईवे पर गस्त के दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अपने साथ कट्टे में अवैध गांजा ले जा रहा है, जिस पर मुखबीर ईतला के मुताबिक मेगा हाईवे से मांडेता रोड़ पर पहुंचे तो वहां एक व्यक्ति पुलिस की गाड़ी को देखकर भागने की कोशिश करने लगा, जिसको काबू किया, एवं चैक किया जाकर उसके कब्जा से कट्टा में अवैध गांजा जप्त कर आरोपी प्रकाश जाट पुत्र चुन्नीलाल को गिरफ्तार किया गया।

उदयपुर में एक लाख की रिश्वत लेते वरिष्ठ सहायक गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ईटेलिजेंस उदयपुर की टीम ने राज्य बीमा व प्रावधायी विभाग के यूडीसी शेखर मथूरिया को डेथ क्लेम पास करने के एवज में पीड़ित से एक लाख रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इंटेलीजेंस यूनिट उदयपुर ने कार्यवाही करते हुए आरोपी शेखर मथूरिया हॉल वरिष्ठ सहायक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधी विभाग उदयपुर को एक लाख रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के महाानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ब्यूरो की इंटेलिजेंस युनिट उदयपुर को शिकायत मिली कि परिवादी की भांजी सरकारी शिक्षिका की मृत्यु होने पर राज्य बीमा के डेथ क्लेम को पास करने एवं कमियों की पूर्ति कर ज्यादा क्लेम राशि पास करवाने की एवज में पहले आरोपी द्वारा 7 लाख 50 हजार रूपये की मांग की गई एवं 11 मई को आरोपी द्वारा 1 लाख 50 हजार रूपये की रिश्वत राशि लेने की सहमति हुई। इस पर 12 मई को रिश्वत की प्रथम किश्त एक लाख रूपये लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जिस पर ब्यूरो टीम ने आरोपी शेखर मथुरिया को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

- **डेथ क्लेम पास करने के एवज में पीड़ित से रिश्वत मांगी थी**

राज्य बीमा व प्रावधायी विभाग में कार्यरत आरोपी वरिष्ठ सहायक शेखर मथूरिया।

आयुष मेडिकल ऑफिसर भर्ती में न्याय की मांग को लेकर शहीद स्मारक पर धरना

अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और तकनीकी त्रुटियों का आरोप लगाया

जयपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की आयुष मेडिकल ऑफिसर भर्ती में कथित अनियमितताओं के विरोध में मंगलवार को बड़ी संख्या में होम्योपैथी और यूनानी डॉक्टरों ने जयपुर के शहीद स्मारक पर धरना-प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और तकनीकी त्रुटियों का आरोप लगाते हुए सरकार से निष्पक्ष समाधान की मांग उठाई। धरना दे रहे अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले चरण में आमरण अनशन शुरू किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय की शरण भी ली जाएगी। साथ ही प्रदेशभर में जिला स्तर पर भी विरोध-प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

रद्द करो
रद्द करो
रद्द करो

टोंक में आईपीएल मैच पर एक करोड़ का ऑनलाइन सट्टा पकड़ा, तीन गिरफ्तार

पंजाब-दिल्ली आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाया जा रहा था

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में चलाये गये विशेष अभियान के तहत जिला स्पेशल टीम ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी करते हुए सोमवार रात्रि को सदर थाना क्षेत्र से गुजर रहे जयपुर-कोटा नेशनल हाईवे-52 के पास स्थित मालिक भागचंद गुर्जर के फार्म हाउस पर पंजाब-दिल्ली आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाते हुए डीएसटी ने एक करोड़ का ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा पकड़ा तथा मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने उनके पास से लैपटॉप समेत कई सामान जब्त किए हैं।

पुलिस ने लैपटॉप, टैबलेट, एलईडी टीवी, 9 मोबाइल और डायरियां जब्त की।

- पुलिस ऑनलाइन सट्टे के नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों के बारे में जांच कर रही है

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आईपीएल क्रिकेट मैचों पर चल रहे ऑनलाइन सट्टे के मामले डीएसटी ने कार्यवाही करते हुए करीब एक करोड़ रुपए से ज्यादा के हार-जीत के हिसाब का खुलासा किया है। सोमवार देर रात सदर थाना क्षेत्र में एनएच-52 के पास स्थित एक फार्म हाउस पर छापेमारी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मौके से लैपटॉप, टैबलेट, एलईडी टीवी, 9 मोबाइल फोन, जिओ वाई-फाई सिस्टम, कार और क्रिकेट सट्टे से जुड़ी डायरियां जब्त की गई हैं, जिनमें करीब एक करोड़ रुपए से ज्यादा की हार-जीत का रिकॉर्ड दर्ज मिला। सूचना के बाद जिला स्पेशल टीम ने मौके से आरोपी वकुल उर्फ बिन्नी पुत्र प्रकाश निवासी तनेजा ब्लॉक आदर्श नगर जयपुर, अमित पुत्र हीरालाल पंजाबी निवासी श्रीराम रेजिडेंसी सिरसी रोड जयपुर और फार्म हाउस मालिक भागचंद गुर्जर पुत्र प्रहलाद गुर्जर निवासी बंबोर गेट टोंक को गिरफ्तार किया है। जिला स्पेशल टीम ने जब्त सामान और आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस अब ऑनलाइन सट्टे के नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों के बारे में जांच कर रही है।

खेतड़ी में वन विभाग की टीम पर हमला, तीन गिरफ्तार

राजकार्य में बाधा पहुंचाकर मारपीट करने, सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में की कार्रवाई

खेतड़ी, (निसं)। बबाई पुलिस ने मंगलवार को वन विभाग की टीम पर हमला करने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अवैध खनन रोकने गई टीम पर हमला कर राजकार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। थानाधिकारी राजपाल सिंह ने बताया कि 22 अप्रैल को गांव कालोटा क्षेत्र में गौशाला के पास वन विभाग की भूमि पर अवैध खनन किए जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग एवं खनन विभाग की संयुक्त टीम जांच के लिए गई थी। वन विभाग की टीम में सहायक वन संरक्षक कमलचन्द, हरेन्द्र भाकर, सहायक वनपाल पिंकू कुमार सहित अन्य कार्मिक शामिल थे। वहीं खनन विभाग की ओर से खनिज कार्यदेशक रमेशचन्द मय टीम मौके पर पहुंचे। संयुक्त टीम द्वारा रात्रि करीब 10 बजे मौके का निरीक्षण किया गया। आसपास के खनन पिट्स का निरीक्षण किया जा रहा था। इसी दौरान करीब 10-12 व्यक्ति जिनमें नागरमल गुर्जर निवासी कालोटा, कालूराम गुर्जर निवासी कालोटा, प्रकाश गुर्जर निवासी सिलाटी की ढाणी हाल निवासी ननिहाल कालोटा, शैतान सिंह कालोटा, सुमेर निवासी सिलाटी की ढाणी हाल निवासी ननिहाल कालोटा व अन्य व्यक्ति थे, ने एकराय होकर राजकीय कार्य में बाधा पहुंचाते हुए विभागीय टीम एवं राजकीय वाहनों पर हमला कर दिया। आरोपियों ने खनन विभाग के राजकीय वाहन के शीशे तोड़ दिए तथा विभागीय कर्मचारियों के साथ मारपीट की, जिससे कुछ कार्मिकों को चोटें आई। स्थिति गंभीर होने पर खनन विभाग की टीम मौके से रवाना हुई, जिनका आरोपियों द्वारा ब्लैक रंग की स्कॉर्पियो वाहन से पीछा भी किया गया।

- 22 अप्रैल को गांव कालोटा क्षेत्र में वन विभाग की भूमि पर अवैध खनन किए जाने की सूचना मिलने पर वन एवं खनन विभाग की टीम जांच के लिये गई थी

घटना की सूचना तत्काल पुलिस उपाधीक्षक खेतड़ी एवं थाना बबाई को दी गई, जिस पर पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा तथा विभागीय टीम को सुरक्षित थाना बबाई लाया गया। मामले को गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आरोपियों की तलाश की तथा उनके संभावित ठिकानों पर दबिश देकर आरोपी नागरमल, कालूराम व जयचन्द उर्फ शौतानसिंह को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी राजपाल, एएसआई पप्पुराम, कांस्टेबल राजेश कुमार, सुगरसिंह आदि शामिल थे।

पांच हजार का इनामी 'मिन्डा' दिल्ली से गिरफ्तार

जमीन धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहा था आरोपी

चिड़ावा, (निसं)। पुलिस थाना चिड़ावा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 हजार रुपए के इनामी एवं थाना स्तर के टॉप-टेन वांछित अपराधी सुनील सिंह उर्फ मिन्डा को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी लंबे समय से जमीन धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहा था और दिल्ली में खानाबदोशों के बीच रहकर गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रहा था।

- दिल्ली में खानाबदोशों के बीच रहकर गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रहा था आरोपी

पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशानुसार वृत्ताधिकारी चिड़ावा विकास धींधवाल के सुपरविजन में थाना प्रभारी अम्बिका चौधरी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार आरोपी सुनील सिंह उर्फ मिन्डा के खिलाफ माननीय वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, झुंझुनूं द्वारा स्थाई वारंट जारी किया गया था। आरोपी के खिलाफ जमीन धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। लगातार फरार रहने के कारण उसे थाना स्तर की टॉप-टेन वांछित अपराधियों की सूची में शामिल कर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गठित टीम लगातार तलाश में जुटी हुई थी।

इसी दौरान थाना चिड़ावा के आसूचना अधिकारी कांस्टेबल अमित सिहाग को मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित आरोपी दिल्ली के द्वारका क्षेत्र में छिपकर रह रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 11 मई को दिल्ली के द्वारका से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई में आसूचना अधिकारी कांस्टेबल अमित सिहाग की विशेष भूमिका रही। टीम में उप निरीक्षक कैलाश चंद्र, हेड कांस्टेबल योगेश कुमार, कांस्टेबल अमित सिहाग एवं कांस्टेबल विकास शामिल रहे। गिरफ्तार आरोपी सुनील सिंह उर्फ मिन्डा पुत्र विजयसिंह (40) निवासी छापड़ा, थाना पिलानी, जिला झुंझुनूं का है।

भीलवाड़ा में डकैती और तस्करी के इनामी बदमाश गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। राज्य स्तरीय विशेष अभियान के तहत भीलवाड़ा की बिजौलियां थाना पुलिस ने डकैती, एनडीपीएस और वर्षों से फरार चल रहे तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो आरोपी ऐसे हैं, जिन पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 5-5 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

- फरारी के दौरान गांव-गांव जाकर सामान बेचने का काम कर रहा था ताकि पुलिस से बच सके

थानाधिकारी स्वागत पाण्ड्या के नेतृत्व में गठित टीम ने डकैती के मामलों में 16 साल से फरार चल रहे 5 हजार के इनामी अपराधी राजू कालबेलिया निवासी बडोली, चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्ष 2010 से डकैती के दो मामलों में वांछित था। एनडीपीएस एक्ट के मामले में 13 साल से फरार चल रहे इनामी बदमाश मुकेश उर्फ संतोष बंजारा निवासी मंदसौर, मप्र. को भी पुलिस ने दबोच लिया है। आरोपी 2013 में 194 किलो अवैध डोडा-पोस्त तस्करी के दौरान पुलिस को चकमा देकर ड्राइवर सीट से कूदकर फरार हो गया था। फरारी के दौरान वह गांव-गांव जाकर सामान बेचने का काम कर रहा था ताकि पुलिस की नजरों से बच सके। इस पर भी 5 हजार रुपये का इनाम घोषित था। तीसरी कार्रवाई स्थाई वारंटी राधेश्याम उर्फ राधिया कंजर की गिरफ्तारी के रूप में मिली। आरोपी पिछले 12 साल से जंगलों में रहकर फरारी काट रहा था। पुलिस से बचने के लिए उसने अपना पूरा हुलिया भी बदल लिया था, लेकिन मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने उसे चितावड़ा क्षेत्र से धर दबोचा।

हनुमानगढ़ में बारिश के बाद मौसम में बदलाव दिखा

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में सुबह हुई हल्की बारिश के बाद मौसम में बदलाव देखा गया। आसमान साफ होने और तेज धूप निकलने के कारण उमस बढ़ गई है। बारिश से मिली एक दिन की राहत के बाद अब गर्मी का प्रभाव फिर से बढ़ने लगा है।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में लगातार वृद्धि होगी और सप्ताह के अंत तक अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। सुबह की बारिश और बादलों के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली।

हालांकि, मंगलवार को मौसम पूरी तरह साफ हो गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर-पश्चिमी विक्षोभ का असर समाप्त होने के बाद प्रदेश के कई हिस्सों में एक बार फिर गर्म हवाएं चलेंगी। दिन और रात के तापमान में वृद्धि के साथ लू का प्रभाव भी देखा जा सकता है।

राजसमन्द में सड़क पर तीन पैंथर दिखे

राजसमन्द, (निसं)। केलवा क्षेत्र के आत्मा कुंवारिया-राती तलाई मार्ग पर देर रात एक साथ तीन पैंथर दिखाई देने से आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। सड़क से गुजर रहे एक कार सवार युवक ने पैंथरों का वीडियो अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देर रात आत्मा कुंवारिया रोड पर अचानक सड़क किनारे तीन पैंथर घूमते नजर आए। कुछ देर तक तीनों पैंथर सड़क के आसपास टहलते रहे, जिससे वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों में भय व्याप्त हो गया। कार सवार लोगों ने सावधानी बरतते हुए अपने वाहन रोक लिए और दूर से ही वीडियो रिकॉर्ड किया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र के आस-पास पहाड़ी और जंगल इलाका होने के कारण कई बार जंगली जानवरों की आवाजाही देखी जाती रही है, लेकिन एक साथ तीन पैंथर दिखाई देना बेहद चौंकाने वाली घटना है। घटना के बाद रात के समय लोगों ने अकेले बाहर निकलने से परहेज किया। वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने एवं पिंजरा लगाकर पैंथर को पकड़ने की मांग की है।

अफीम के मामले में सरकारी अध्यापक को सजा सुनाई

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस न्यायालय जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने 12 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ अफीम और अफीम की खरीद फरोख्त की राशि के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी सरकारी अध्यापक को दो वर्ष का कठोर कारावास और बीस हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

सरकार की ओर से पैरवी के लिए नियुक्त गोविन्द जोशी विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर ने बताया कि 1 जून 2014 को पुलिस थाना चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड के तत्कालीन थानाधिकारी अमित सिहाग ने रमेश बेनीवाल से उसके मकान नंबर 77 बालाजी नगर, रूप रजत रोड, जोधपुर के घर में पलंग की प्लाई के नीचे छुपाकर रखी 100 ग्राम अवैध अफीम और अफीम के खरीद फरोख्त के 12.03 लाख रुपए बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया, आरोपी डारों की ढाणी, डोली कल्ला, कल्याणपुर के सरकारी विद्यालय में अध्यापक लगा हुआ था। उसने पूछताछ के दौरान अपने ताऊ के लड़के भागीरथ बेनीवाल निवासी गोदावास कल्याणपुर बालोतरा से 12 किलो अफीम खरीदकर आगे लोगों को अफीम बेचकर 12 लाख की राशि इकट्ठा करना बताया। भागीरथ भी बागजी बाबल की ढाणी, डोली कल्ला, कल्याणपुर के सरकारी विद्यालय में अध्यापक लगा हुआ था। बाद अनुसंधान पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में एनडीपीएस एक्ट के तहत चार्जशीट प्रस्तुत की।

गोविन्द जोशी विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर ने न्यायालय से वर्तमान में अवैध मादक पदार्थों के मामलों में गंभीर किस्म की प्रकृति के अपराध होने और अभियुक्तों के सरकारी विद्यालय में अध्यापक होने और उसका समाज में प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की वजह से आरोपियों को कठोरतम सजा देने की मांग की, जबकि आरोपियों ने नरमी बरतने का आग्रह किया। विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत 11 गवाह, 34 दस्तावेजी साक्ष्य और 3 आर्टिकल के आधार पर अभियुक्त रमेशचंद्र बेनीवाल पुत्र बाबूलाल निवासी गांव गोदावास, कल्याणपुर, बालोतरा को दोषी ठहराते हुए अवैध मादक पदार्थ अफीम रखने और उसकी खरीद फरोख्त करने के आरोप में 2 वर्ष की कठोर सजा व बीस हजार रुपए के जुर्माने की कठोर सजा सुनाई तथा सह अभियुक्त भागीरथ बेनीवाल को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

अलवर : एनीकट का पानी रहस्यमयी तरीके से बदल रहा रंग

अलवर, (निसं)। अलवर के मालाखेड़ा क्षेत्र के ग्राम चौमू में स्थित घाटा एनीकट इन दिनों चर्चा और डर का विषय बना हुआ है। स्थानीय निवासियों के लिए यह जोहड़ न केवल जल का स्त्रोत है, बल्कि वन्यजीवों और मवेशियों की प्यास बुझाने का मुख्य स्थान भी है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से यहां का पानी किसी रहस्यमयी जहर में तब्दील होता दिख रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, इस जोहड़ के पानी में एक अजीबोगरीब बदलाव देखा जा रहा है। दिन के समय सूरज की रोशनी में पानी पूरी तरह से लाल नजर आता है, वहीं सूरज ढलते ही शाम होते-होते इसका रंग बदलकर हरा हो जाता है। पानी के इस तरह रंग बदलने और उसमें से आ रही दुर्गंध ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। घटना का खुलासा तब हुआ जब गांव के युवा राजाराम, प्रदीप, नवीन, मोनू और पंकज पक्षियों के लिए रखे परिंडों में पानी भरने एनीकट के पास पहुंचे। वहां का नजारा देखकर वे दंग रह गए। पानी की सतह पर कई कछुए मृत अवस्था में तैर रहे थे। सिर्फ जलीय जीव ही नहीं, बल्कि प्यास बुझाने आया एक मोर भी वहां घायल हालत में मिला।

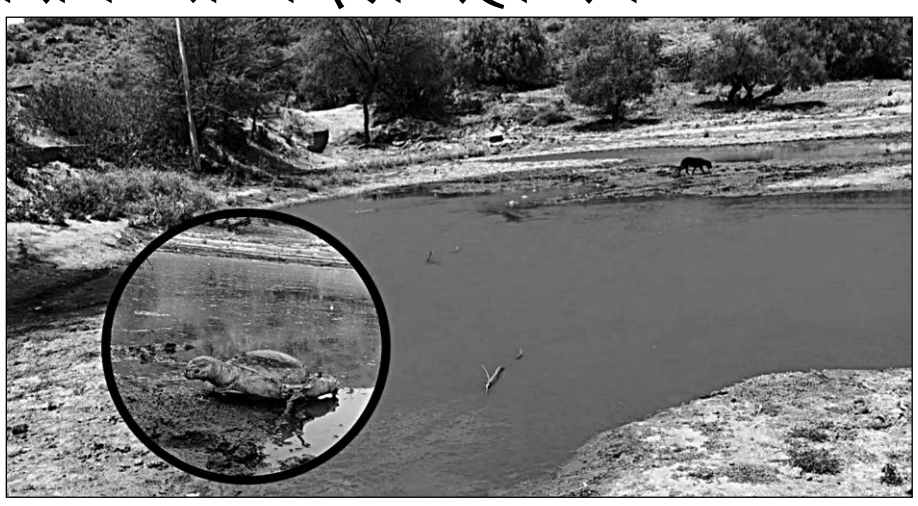

अलवर के ग्राम चौमू में स्थित घाटा एनीकट में कुछ दिनों से पानी रंग बलल्लता दिख रहा है।

अवैध बजरी का स्टॉक पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिलेभर में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस ने न केवल वाहन और बजरी जब्त की, बल्कि अवैध रास्तों को भी जेसीबी से खुदवाकर बंद कर दिया है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न थानों में कुल 26 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 42 ट्रैक्टर मय ट्रॉली, एक जेसीबी, एक लोडर और एक डंपर को अवैध बजरी के साथ जब्त किया है। परिवहन की जा रही 140 टन अवैध बजरी को भी कब्जे में लिया गया है।

थाना सदर क्षेत्र में विद्या कॉलेज के पास और ग्राम पोड़ास स्थित कोठारी नदी में रखे 700 टन अवैध बजरी स्टॉक को पुलिस और माइनिंग विभाग ने संयुक्त रूप से नष्ट (खुर्द-बुर्द) किया। जहाजपुर में यहां पुलिस ने 160 टन बजरी का स्टॉक जब्त कर मामला दर्ज किया। बागोर व कारोई में संयुक्त टीम ने अमरगढ़ पिथास में दबिश देकर 50 टन बजरी जब्त की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले भर में जाल बिछाया। सबसे अधिक 4 मामले माण्डलगढ़ थाने में दर्ज हुए।

एसीएस उच्च शिक्षा से मिले प्रो. बैरवा

जयपुर। राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर के नोडल अधिकारी एवं राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रो. रमेश बैरवा ने अतिरिक्त मुख्य सचिव एसीएस उच्च शिक्षा कुलदीप रांका से मुलाकात की। इनकी निजी पत्रावली को गुम करने वालों के खिलाफ कड़ी विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की है, जिसके लिए एसीएस से इन्हें आश्वासन मिला है।

प्रो. बैरवा ने एसीएस को अपनी पीड़ा बताते हुए लिखा है कि इनकी सेवानिवृति 31.05.2026 को है। 03.05.2023 को इन्होंने राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी में कार्यग्रहण किया था। 19.10.2022 को हुए निलंबन के कारण इनके खिलाफ विभागीय जांच लम्बित है। विभागीय जांच में अपना पक्ष रखने के लिए इन्हें सेवा प्रारंभ की तिथि 29.7.1995 से बनी 600 से अधिक पृष्ठों की इनकी नीजि पत्रावली से अनेक प्रमाणित दस्तावेजों की सख्त जरूरत है। इस हेतु इन्होंने प्राचार्य,राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी से बार बार निवेदन किया है। गंगापुर सिटी प्राचार्य ने इन्हें अवगत कराया कि इनकी नीजि पत्रावली अभी तक राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी को प्राप्त नहीं हुई है। इसके लिए कई बार आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा एवं इनके पूर्व के पदस्थापन बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय अलवर को पत्र भेजे जा चुके हैं। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा लिखता है कि प्रो. बैरवा की निजी पत्रावली इनके पूर्व के पदस्थापन बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय अलवर से मंगा ली जाए जिसके लिए प्राचार्य गंगापुर सिटी ने अलवर कॉलेज प्राचार्य को पत्र भेजे। लेकिन जवाब प्राप्त हुआ कि तत्कालीन संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर से दूरभाष पर हुई वार्तानुसार प्रो रमेश बैरवा की निजी पत्रावली सेवा पुस्तिका के साथ 3.11.2022 को आयुक्तालय भेजी थी।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पुलिस ने चोरी के मामले में कार्रवाई की है। इस दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चार लाख रुपए के चोरी किए गए सोने के कंगन बरामद किए हैं। थानाधिकारी मोहनलाल ने बताया कि 12 जनवरी को शीला निवासी वार्ड 19 ने रिपोर्ट दी कि 11 जनवरी को सुबह 8.30 पर घर के ताला लगाकर जयपुर गई थी। शाम के समय करीब 7 बजे घर पर वापस आई और मेन गेट का ताला खोलकर मकान में गई तब देखा दोनों कमरों के ताले टूटे हुए थे, सीसीटीवी कैमरे टूटे हुए थे। किसी अज्ञात व्यक्ति ने बैड मे रखे नकद रुपये व अलमारी में रखे जेवरात चोरी कर लिये तथा कमरो में तोड़फोड़ कर डीवीआर भी चोरी कर ले गया। पुलिस ने तकनिकी की सहायता से काफी प्रयास के बावजूद आरोपी सोमवीर ऊर्फ मोटू पुत्र रोहिताश्व निवासी चेलापुरी खेतड़ी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी से गहनता से पूछताछ कर जेवरात व नकदी, मोबाईल फोन बरामद किया गया।

चूरू : रिश्तेदारों के नाम फर्जी जमीन दिखाकर नौ करोड़ का क्लेम उठाया

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर रिमाण्ड पर लिया

चूरू, (कासं)। पुलिस ने रिश्तेदारों के नाम फर्जी जमीन दिखाकर 9 करोड़ रुपए क्लेम उठाने वाले को गिरफ्तार कर लिया है।

जिला पुलिस अधीक्षक चूरू निश्चय प्रसाद एम आईपीएस ने बतया कि 14 फरवरी को गोविन्दसिंह राठौड़ पुत्र नरोतम सिंह राजपूत निवासी चरला सुजानगढ़ सदर जिला चूरू हाल सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) सुजानगढ़ ने उपस्थित थाना होकर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की कि भारत सरकार की फसल बीमा योजना अन्तर्गत राज्य के किसानों की फसलों का स्वैच्छिक बीमा किया जाता है। इस संबंध में राज्य सरकार की अधिसूचना 19 जून 2025 को जारी हुई थी, अधिसूचना के अनुसार रबी की फसल में 15 प्रतिशत प्रीमियम किसान के द्वारा वहन किया जाता है एवं शेष प्रीमियम का भुगतान राजकोष से किया जाता है। जिसे राज्य एवं भारत सरकार के द्वारा आधा-आधा संयुक्त रुप से बैंक खाते के द्वारा वहन किया जाता है एवं संबंधित बीमा कंपनी को भेजी जाती है। इसी प्रकार से संबंधित बीमा क्लेम का भुगतान भी बैंक खाते के द्वारा ही किया जाता है। मुझे जानकारी मिली की स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की सालासर शाखा जिला चूरू के शाखा प्रबंधक उमेश कुमार सारस्वत, बैंक के कर्मचारी भागीरथ नायक जो कि फसल बीमा पोलिसी को जारी करता है एवं कुछ अन्य अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ आपराधिक षडयन्त्र रचकर फर्जी बीमा किया जा रहा है, एवं राजकोष से प्रीमियम राशि का दुरुपयोग करते हुए फर्जी क्लेम उठाने की कार्यवाही की जा रही है। इस संबंध में 71 विभिन्न नामों से पटवार मण्डल बज्जू तेजपुरा व ग्राम बज्जू खालसा के गांवों का सालासर ब्रांच के के.सी.सी. धारकों की फर्जी कृषि भूमि दिखाकर 13 लाख 51 हजार रुपये किसानों का प्रीमियम जमा करवा दिया।

इस प्रकार से फर्जी किसानों का प्रीमियम काट कर इसकी कुल क्लेम राशि करीब 9 करोड़ रुपए बनती है। इस रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर सुभाष विश्नोई पुनि थानाधिकरी पुलिस थाना सालासर द्वारा अनुसंधान शुरू किया गया। पुलिस ने मुल्जिम भागीरथ मल नायक पुत्र दानाराम निवासी बीदासर को गिरफ्तार कर पेश न्यायालय कर पीसी रिमाण्ड हासिल किया गया।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 32.75 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

बैंक खाता किराए पर देने वाले दो स्थानीय युवक भी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा पुलिस ने पिछले 48 घंटों में सायबर अपराधियों के खिलाफ दो बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 32.75 लाख की ठगी करने वाले गुरुग्राम के एक शातिर हिस्ट्रीशीटर को दबोचा, बल्कि ठगों को अपना बैंक खाता किराए पर देने वाले दो स्थानीय युवकों को भी गिरफ्तार किया है।

मामले के अनुसार सायबर थाना पुलिस ने एक सेवानिवृत्त लेखाकार को सीबीआई अधिकारी बनकर डराने और उन्हें डिजिटल अरेस्ट करने के मामले का खुलासा किया है। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के अनुसार, आरोपी अनिल कुमार उर्फ नन्हे (31) निवासी गुरुग्राम को गिरफ्तार किया गया है।

14 अप्रैल 2026 को प्रार्थी प्रहलाद राय सोडानी ने रिपोर्ट दी कि ठगों ने उन्हें व्हाट्सएप कॉल कर बताया कि उनके नाम से जारी सिम से अश्लील संदेश भेजे गए हैं। खुद को जज और पुलिस अधिकारी बताकर आरोपियों ने प्रार्थी और उनकी पत्नी को डराकर 32.75 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। सायबर टीम ने तकनीकी अनुसंधान के बाद गुरुग्राम में दबिश देकर आरोपी को पकड़ा। आरोपी अनिल कुमार पर पहले से 15 मामले दर्ज हैं और वह हरियाणा का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए खातों में 16.36 लाख रुपये होल्ड करवाए, जिसमें से 13.46 लाख रुपये प्रार्थी को वापस दिलाने के अदालती आदेश प्राप्त कर लिए गए हैं।

दूसरी ओर, भीमगंज थाना पुलिस ने उन म्यूल अकाउंट धारकों पर शिकंजा कसा है जो लालच में आकर अपना बैंक खाता सायबर ठगों को बेच देते हैं। थानाधिकारी सुनील चौधरी के नेतृत्व में पुलिस ने बाबूलाल खटीक (30) और आशीष खोईवाल (22) निवासी पंचमुखी कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी बाबूलाल के खाते से हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और राजस्थान में सायबर ठगी की 6 गंभीर शिकायतें दर्ज थी। आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने चंद रुपयों के लालच में अपनी बैंक डायरी, एटीएम और सिम कार्ड सायबर अपराधियों को सौंप दिए थे। इन खातों के जरिए लाखों का संदिग्ध ट्रांजेक्शन हुआ है।

मैं बात को घुमाना नहीं चाहता। हमारी फील्डिंग और गेंदबाजी ने हमें मैच हराया। इस विकेट पर 210 रन 30 रन ज्यादा थे, क्योंकि गेंद सीम हो रही थी और बाउंस भी अनियमित था।

- श्रेयस अय्यर

पंजाब किंग्स के कप्तान, अपनी टीम की हार को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अक्षर पटेल

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग का यह मुकाबला 11 मई 2026 को धर्मशाला स्थित हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला गया था, जिसमें दिल्ली ने रोमांचक अंदाज में 3 विकेट से जीत दर्ज की थी। आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत न्यूनतम ओवर गति से संबंधित नियमों के उल्लंघन पर यह कार्रवाई की गई। चूंकि यह दिल्ली कैपिटल्स का इस सीजन पहला ओवर-रेट अपराध था।

क्या आप जानते हैं ?... सुनील छेत्री ने 115 मैच खेले हैं, जबकि भाईचुंग भूटिया ने 107 मैच खेले हैं। सुनील छेत्री ने 90 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गोल किए हैं, जो सक्रिय खिलाड़ियों में तीसरे सबसे ज्यादा हैं।

गुजरात ने हैदराबाद को 82 रनों से हराया, अंकतालिका में बनी नं. 1

सुदर्शन-सुंदर के अर्धशतक, रबाडा और होल्डर को तीन-तीन विकेट

अहमदाबाद, 12 मई। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 56वें मैच में गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रनों से हरा दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 168 रन बनाए। साई सुदर्शन और वाशिंगटन सुंदर ने अर्धशतक जडे। 169 रनों के लक्ष्य के जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद 100 रन भी नहीं बना पाई। वह 14.5 ओवर में 86 रन पर आउट हो गई। गुजरात टाइटंस ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। 16 अंक के साथ वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची। गुजरात टाइटंस के लिए साई सुदर्शन ने 44 गेंद पर 61 रन बनाए। वाशिंगटन सुंदर ने 33 गेंद पर 55 रन बनाए। निशांत सिंधु ने 22 रन बनाए। जेसन होल्डर 11 और राहुल तेवतिया 4 रन बनाकर नाबाद रहे। शुभमन गिल 5 और जोस बटलर 7 रन बनाकर क्रीज पर। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए प्रफुल हिंगे और साकिब हुसन ने 2-2 विकेट लिए। पैट कमिंस ने 1 विकेट लिया। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए सबसे ज्यादा पैट कमिंस ने 19 रन बनाए। सलिल अरोडा ने 16, हेनरिक क्लासेन ने 16 और इशान किशन ने 11 रन बनाए। स्मरण रविचंद्रन ने 9, अभिषेक शर्मा ने 6, शिवांग कुमार ने 4 और प्रफुल हिंगे ने 3 और ट्रेविस हेड खाता नहीं खोल पाए। ईशान मलिंगा बगैर खाता खोले नाबाद रहे। गुजरात टाइटंस के लिए कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने 3-3 विकेट लिए। प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज और राशिद खान ने 1-1 विकेट लिए। सनराइजर्स हैदरबाद की प्लेइंग 11 में कोई बदलाव नहीं है। गुजरात टाइटंस की प्लेइंग 11 में भी कोई बदलाव नहीं हुआ।

थाईलैंड ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची सात्विक-चिराग की जोड़ी

नई दिल्ली, 12 मई। भारतीय बैडमिंटन स्टार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने थाईलैंड ओपन 2026 के पुरुष युगल वर्ग में शानदार शुरुआत करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में इंडोनेशिया के मुह पुत्रा एरवियांस्याह और बागस मौलाना की जोड़ी को कड़े संघर्ष में 21-19, 21-23, 21-10 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे और चार मिनट तक चला। पहला गेम बेहद रोमांचक रहा, जिसमें सात्विक और चिराग ने 21-19 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने वापसी करते हुए 23-21 से मुकाबला अपने नाम किया। हालांकि निर्णायक गेम में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और 21-10 से एकतरफा जीत हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। अब प्री-क्वार्टर फाइनल में सात्विक-चिराग की भिड़ंत मलेशिया के ब्रायन जेरेमी गूंटिंग और मुहम्मद हैकाल की जोड़ी से होगी।

धर्मशाला पहुंची मुंबई इंडियंस की टीम

धर्मशाला, 12 मई। एचपीसीए के धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में 14 मई को पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियन्स के बीच होने वाले मुकाबले के लिए मेहमान टीम मंगलवार को मैक्लोडगंज धर्मकोट के हयात रिजेंसी होटल पहुंच गई।

जयपुर ब्लूज क्लब ने मैत्री क्लब को हराया

जयपुर, 12 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए पूल बी के मैच में जयपुर ब्लूज क्लब ने मैत्री क्लब को 47 रनो से हराया। जी आर ग्राउंड पर जयपुर ब्लूज क्लब ने टॉस जीतकर पहले आलोक गुर्जर के 25 रन, लखन भारती के 18 रन, राहुल चौधरी के 31 रन, यथार्थ भारद्वाज के 81 रन, आर्यन सैनी के 26 रन व योगेंद्र काकोड़िया के 14 रन से 41.1 ओवर में 210 रन बनाकर आउट हो गई। मैत्री क्लब के लिए नीतिराज सिंह ने 32 पर 3, अमन खिलजी ने 27 पर 2, अनस मंसूरी ने 42 पर 2, हसन खान, आयुष अमेरियां व मनीष ने एक-एक विकेट लिया। जवाबी पारी में मैत्री क्लब की टीम रामदीप भार्गव के 28 रन, आयुष आमेरिया के 22 रन, अमन खिलजी के 37 रन, मनीष के 12 रन से 40.4 ओवर में 163 रन बनाकर आउट हो गई। जयपुर ब्लूज क्लब के लिए देव ऋषि रिजवानिया ने 24 पर 4, प्रतीक चौधरी ने 26 पर 3, राहुल चौधरी व योगेंद्र ने एक - एक विकेट लिया।

एसएमआर अकादमी जीती

जयपुर, 12 मई। अंडर-16 समर कप में एसएमआरक्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 210 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। कृष चौधरी ने 65, वीर ने 36 और आरुष चौधरी ने 22 रन का योगदान दिया। आर्यन स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी की ओर से विहान अग्रवाल और गौरव प्रजापत ने 2-2 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आर्यन स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी 34 ओवर में 145 रन पर ऑल आउट हो गई। मयंक शर्मा ने सर्वाधिक 42 रनों का योगदान दिया। एसएम आरक्रिकेट अकादमी की ओर से आयुष शर्मा ने 3, तेजस जोशी और आरुष चौधरी ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच कृष चौधरी को चुना गया।

आरडी एकेडमी ने अनंतम एकेडमी को हराया

जयपुर, 12 मई। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर 17 में आज खेले गए मैच में आर डी एकेडमी ने अनंतम एकेडमी को 56 रनो से हराया। अनंतम ग्राउंड पर आर डी एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रुद्र प्रताप सिंह के 27 रन, अमन तिरुपानी के 27 रन, मोहित शर्मा के 23 रन व जितेन गौतम के 14 रनो से 36.1 ओवर में 157 रन बनाए।अनंतम एकेडमी के लिए गर्व शर्मा ने 25 पर 2, हर्ष परवानी ने 20 पर 2, जवाबी पारी मे अरनिम भारद्वाज, अंश शर्मा, चिरायु व कर्णव कोठारी ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में अनंतम एकेडमी की टीमहर्ष परवानी के 34 रन, गौरव शांतिवाल के 42 रन से25.5 ओवर में 101 रनो पर सिमट गई। आर डी एकेडमी के लिए अमन तिरुपानी ने 19 पर 6, हिमांक सैनी ने 28 पर 3 व लव्या गुप्ता ने 24 पर एक विकेट लिया।

आईपीएल 2026 : मैं खुद को 100 प्रतिशत गेंदबाज और 100 प्रतिशत बल्लेबाज मानता हूं : माधव तिवारी

धर्मशाला, 12 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)2026 में सोमवार को धर्मशाला में खेले गए हाईस्कोरिंग मुकाबले में युवा ऑलराउंडर माधव तिवारी ने अपने हरफनमौला प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींच लिया। आईपीएल 2026 में अपना पहला पूरा मुकाबला खेल रहे 22 वर्षीय माधव ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार योगदान देकर दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ 3 विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 210 रन बनाए। टीम की ओर से प्रियांश आर्य ने 33 गेंदों पर 56 रनों की विस्फोटक पारी खेली। हालांकि दिल्ली के युवा गेंदबाज माधव तिवारी ने उन्हें आउट कर पंजाब को बड़ा झटका दिया। माधव ने अपने 4 ओवर में 40 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। उन्होंने कूपर कोनोली को भी धीमी बाउंसर पर पवेलियन भेजा। मैच के बाद माधव तिवारी ने कहा, सबसे पहले मैं टीम मैनेजमेंट को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे मौका दिया। अगर चीजें आपके हाथ में नहीं होतीं तो आपको हर प्रैक्टिस सेशन में खुद को बेहतर बनाना पड़ता है। मैंने गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल सर के साथ अपनी गेंदबाजी पर काफी काम किया।

डब्ल्यूएफआई से विवाद के बीच विनेश फोगाट के समर्थन में उतरी साक्षी मलिक

नई दिल्ली, 12 मई। भारतीय ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने मंगलवार को साथी पहलवान विनेश फोगाट के समर्थन में आकर भारतीय कुश्ती महासंघ और सरकार से आग्रह किया कि तीन बार की ओलंपियन को गोंडा में सीनियर ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट 2026 के ट्रायल में भाग लेने और अपनी वापसी की कोशिश जारी रखने की अनुमति दी जाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में साक्षी ने कहा कि नियम ऐसे होने चाहिए जो महिला खिलाड़ियों को मातृत्व के बाद प्रतिस्पर्धी खेलों में वापसी के लिए प्रोत्साहित करें, न कि उनके खिलाफ बाधाएं खड़ी करें।

साक्षी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से मीडिया विनेश के ट्रायल्स पर मेरी राय जानना चाहता है। मैं पिछले दो-तीन दिनों से इस बारे में सोच रही हूं क्योंकि विनेश एक पार्टी की सदस्य हैं और मेरा किसी भी पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसे कई उदाहरण दे सकती हूं जहां अन्य देशों के खेल संघ अपने खिलाड़ियों के लिए नियम आसान बनाते हैं ताकि मां बनने के बाद भी महिलाएं देश के लिए खेल सकें और पदक जीत सकें।

आरसीए ने पूर्व कन्वीनर को 24 लाख जमा कराने का नोटिस भेजा था

नोटिस पूरी तरह से झूठा, दुर्भावनापूर्ण एवं मेरी छवि खराब करने का एक सुनियोजित प्रयास : कुमावत

जयपुर, 12 मई। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की एडहॉक कमेटी ने पूर्व कन्वीनर दीन दयाल कुमावत को 24 लाख रुपये की रिकवरी के लिए नोटिस जारी किया है। यह नोटिस आरसीए की ओर से 11 मई 2026 को जारी किया गया, जिसमें कुमावत पर संस्था के फंड के कथित अनधिकृत उपयोग का आरोप लगाया गया है।

एडहॉक कमेटी ने दावा किया है कि आरसीए के खातों और वित्तीय रिकॉर्ड की समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि दीन दयाल कुमावत ने कन्वीनर पद पर रहते हुए 24 लाख रुपये विभिन्न अधिवक्ताओं को कानूनी शुल्क के रूप में भुगतान किए. यह भुगतान सवाई माधोपुर जिला क्रिकेट संघ (डीसीए) से जुड़े कानूनी मामलों में किया गया था।

आरसीए की एडहॉक कमेटी का कहना है कि किसी जिला क्रिकेट संघ से संबंधित विवाद या मुकदमेबाजी का खर्च वहन करना आरसीए की जिम्मेदारी नहीं है। समिति ने इन भुगतानों को अनधिकृत मानते हुए पूरी राशि कुमावत से व्यक्तिगत रूप से वसूलने का निर्णय लिया है। नोटिस में कहा गया है कि यह राशि आरसीए के खातों में उनके नाम पर डेबिट की जाएगी। नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि कुमावत का यह कदम प्रथम दृष्टया उनके पद के दुरुपयोग और आरसीए के धन के ऐसे उपयोग को दर्शाता है, जो संस्था के उद्देश्यों और गतिविधियों से संबंधित नहीं है।

एडहॉक कमेटी ने दीन दयाल कुमावत को नोटिस प्राप्त होने की तारीख से सात दिनों के भीतर 24 लाख रुपये जमा करने का निर्देश दिया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय सीमा में भुगतान नहीं होने पर आरसीए उनके खिलाफ कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करेगी। इसके अलावा डीसीए सवाई माधोपुर के खिलाफ भी आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है। आरसीए ने स्पष्ट किया कि संस्था के फंड का उपयोग केवल क्रिकेट गतिविधियों के संचालन, प्रशासन और खेल के विकास के लिए किया जाना चाहिए।

वहीं, मामले को लेकर डीडी कुमावत का कहना है कि मेरे विरुद्ध राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा जारी किया गया 24 लाख रुपये की रिकवरी का नोटिस पूरी तरह से झूठा, दुर्भावनापूर्ण एवं मेरी छवि खराब करने का एक सुनियोजित प्रयास है। मेरे 9 माह के कार्यकाल के दौरान मैंने आरसीए के हित में पूरी ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ कार्य किया।

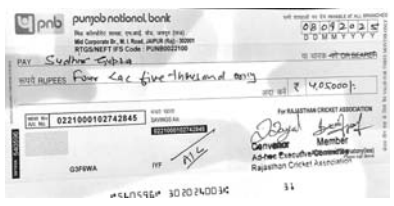

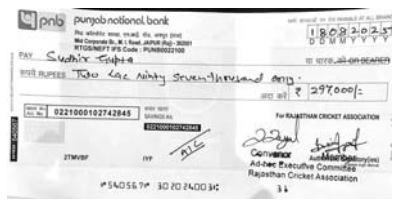

जिन कानूनी भुगतानों को आज मुद्दा बनाया जा रहा है, वे सभी भुगतान आरसीए एवं कन्वीनर के पद से जुड़े मामलों में किए गए थे. ये कोई व्यक्तिगत खर्च नहीं थे. यह भी महत्वपूर्ण तथ्य है कि मेरे 9 माह के कार्यकाल के दौरान अनेक अवैध समिति बैठकों में मेरी अनुपस्थिति में कई अवैध निर्णय लिए गए, जिनमें समिति के कई सदस्य शामिल थे, लेकिन उस समय किसी ने भी मेरे विरुद्ध कोई प्रश्न नहीं उठाया। यदि उस समय सब कुछ समिति की जानकारी एवं सहमति से चल रहा था, तो आज केवल मुझे निशाना बनाना पूरी तरह दुर्भावनापूर्ण है।

भुगतानों की जानकारी सदस्यों को थी : कुमावत का कहना है कि सभी बैंक भुगतान अधिकृत प्रक्रिया के तहत किए गए थे। बैंकिंग लेन-देन में आशीष तिवारी एवं पिंकेश जैन पोरवाल हस्ताक्षर प्राधिकारी थे दो चेक आशीष तिवारी द्वारा तथा तीन चेक पिंकेश जैन पोरवाल द्वारा हस्ताक्षिरत किए गए थे। इतना ही नहीं, सभी महत्वपूर्ण निर्णयों एवं भुगतानों की जानकारी मौखिक रूप से समिति के सभी प्रमुख सदस्यों, जिनमें मोहित यादव एवं धनंजय सिंह को लगातार दी जाती रही थी।

यदि आरसीए को आज यह भुगतान अवैध प्रतीत होते हैं, तो उस समय के हस्ताक्षर प्राधिकारी पिंकेश जैन पोरवाल एवं आशीष तिवारी को भी नोटिस जारी किया जाना चाहिए। साथ ही धनंजय सिंह एवं मोहित यादव को भी इस मामले में पक्षकार बनाया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें सभी भुगतानों एवं निर्णयों की जानकारी लगातार मौखिक रूप से दी जाती रही थी।

कुमावत ने यह भी कहा कि मेरे कार्यकाल के दौरान धनंजय सिंह, अरिशिष्ट सिंघवी एवं संपूर्ण जोधपुर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन पर कार्रवाई एवं निलंबन किया गया था। आज वही लोग और उनके समर्थक बदले की भावना से कार्य कर रहे हैं, तथा वर्तमान समिति पर दबाव बनाकर मुझे प्रताड़ित करने का प्रयास कर रहे हैं।

यहां यह तथ्य भी जानकारी में आना आवश्यक है कि उच्च न्यायालय में एक अनाधिकृत लोगों द्वारा याचिका रजिस्ट्रार सहकारी समिति, जयपुर के विरुद्ध लगाई गई थी, जिसमें मुख्य पक्ष आरसीए एडहॉक कमेटी को बनाया गया था। डीसीए सवाई माधोपुर तो मुख्य याचिका में पक्षकार ही नहीं तो किया गया भुगतान डीसीए सवाई माधोपुर का कैसे माना जा सकता है? यदि मेरे विरुद्ध इस प्रकार के झूठे एवं मानहानिकारक आरोप लगाए जाते रहे, तो मैं संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर एवं मानहानि की कानूनी कार्यवाही करने के लिए बाध्य हो जाऊंगा।

कुमावत ने कहा कि मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूँ कि अपने पूरे कार्यकाल में मैंने आरसीए से व्यक्तिगत उपयोग हेतु एक भी रुपया नहीं लिया और न ही कोई टीए-डीए लिया, जबकि मैं कानूनी रूप से उसका अधिकारी था। यह पूरा मामला मुझे दबाव में लेने, मेरी प्रतिष्ठा धूमिल करने एवं जनता को भ्रमित करने का प्रयास है। मैं इस प्रकार की राजनीति और चरित्र हनन को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करूँगा।

कार्यालय नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा जिला कोटपूतली-बहरोड

क्रमांक : न.पा.पा.प्रा./निर्माण/2026-27/131 दिनांक : 07.05.2026

ई-निविदा सूचना संख्या (20/2026-27)

(NIB NUMBER- DLB2627A1469)

एतदद्वारा यह है कि राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।

निविदा के कुल कार्य – 30

यूबीएन नम्बर 1 से 30

DLB2627WSRC03996	DLB2627WSRC04018	DLB2627WSRC04022
DLB2627WSRC04025	DLB2627WSRC04028	DLB2627WSRC04032
DLB2627WSRC04035	DLB2627WSRC04036	DLB2627WSRC04040
DLB2627WSRC04042	DLB2627WSRC04045	DLB2627WSRC04046
DLB2627WSRC04050	DLB2627WSRC04053	DLB2627WSRC04054
DLB2627WSRC04056	DLB2627WSRC04057	DLB2627WSRC04059
DLB2627WSRC04060	DLB2627WSRC04061	DLB2627WSRC04064
DLB2627WSRC04067	DLB2627WSRC04068	DLB2627WSRC04069
DLB2627WSRC04071	DLB2627WSRC04072	DLB2627WSRC04073
DLB2627WSRC04074	DLB2627WSRC04075	DLB2627WSRC04076

राज.संवाद/सी/26/2568 अधिशाषी अधिकारी

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय

HARIDEV JOSHI UNIVERSITY OF JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION

क्रमांक : प.5(21)एचजेयू/जीएडी/निविदा/381 दिनांक : 12.05.2026

बोली आमंत्रण सूचना

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, दहमीकलां, बगरू, जयपुर की ओर से, पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त सेवा प्रदाता संस्था/एजेन्सी/संवेदक से विश्वविद्यालय के निम्नलिखित कार्यों हेतु खुली बोली आमंत्रित की जाती है :

क्र. सं.	कार्य की प्रकृति	NIB एवं UBN No.	अनुमानित लागत (राशि रू.)	डाउनलोड प्रारंभ तिथि
1	मशीन विद्मैन (कम्प्यूटर मय ऑपरेटर– उच्च कुशल) एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (अकुशल) कार्य हेतु	NIB No. : HJU2627A0003 UBN No. : HJU2627SLOB00003	21.50 लाख	11.05.2026
2	सफाई कार्य हेतु	NIB No. : HJU2627A0002 UBN No. : HJU2627SLOB00002	15.00 लाख	11.05.2026
3	बागवानी कार्य हेतु	NIB No. : HJU2627A0004 UBN No. : HJU2627SSOB00004	6.10 लाख	12.05.2026

उपरोक्त क्र.संख्या 01 व 02, में ई–निविदाएं एवं क्रम संख्या 03 में निर्धारित प्रपत्र में मोहर बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। बोली से संबंधित विवरण/शर्तें वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं विश्वविद्यालय की वेबसाईट https://www.hju.ac.in अथवा कार्यालय समय पर कार्यालय में देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/26/2626 कुलसचिव

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न.07464-294024, ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com, website – WWW.npkarauli.in

क्रमांक : 845 दिनांक : 05.05.2026

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली परिषद क्षेत्र निम्न कार्य कराना चाहती है। जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टैण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्तें www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्य का नाम	नगर परिषद क्षेत्र करौली में सीवर लाईन सफाई का कार्य (वार्षिक अनुबंध)
निविदा की अनुमानित लागत	17.97 लाख
धरोहर राशि	प्रत्येक कार्य हेतु अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने/डाउनलोड की तारीख	08.05.2026 समय 5:00 पीएम से 23.05.2026 समय 6:00 पीएम तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	23.05.2026 समय 6:00 पीएम तक
भौतिक रूप से निविदा शुल्क व दस्तावेज जमा कराने की अंतिम तिथि	25.05.2026 समय 2:00 पीएम तक
ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल प्राप्त निविदा खोलने की तिथि	26.05.2026 समय 3:30 पीएम
निविदा शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 1000/– रूपयें
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 500/–रूपये
निविदा प्रपत्र व शर्तें डाउनलोडिंग वेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
UBN. -	DLB2627SLRC04162

आयुक्त

राज.संवाद/सी/26/2619 नगरपरिषद, करौली

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक :– न.नि.भ./विधुत/2026–27/172 दिनांक :– 06.05.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर निगम, भरतपुर द्वारा विद्युत सम्बन्धित 2 कार्य कराये जाने हेतु सम्बंधी कार्य हेतु EWSD श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 10.05.2026 से दिनांक 20.05.2026 समय 6:00 पी.एम. बजे निविदा तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की महत्वपूर्ण शर्तें एवं विवरण वेसाईट (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) पर देखे जा सकते हैं।

UBN No. 1. DLB2627WSOB04192 2. DLB2627WSOB04192

अधिशाषी अभियंता (विधुत)

राज.संवाद/सी/26/2540 नगर निगम, भरतपुर

कार्यालय अधीक्षण अभियंता जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, कोटा

पताः- प्रथम तल जिला परिषद् भवन सीएडी कोटा, पिन कोड 324009

ई-मेल-SEWDSC.KOTA@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांकः लेखा / 2026-27/376 दिनांकः - 08/05/26

NOTICE INVITING BID

NIB No 04 YEAR 2026-27

Bids for NRM Works, estimated value INR 103.12 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 21.05.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.

NIB NO.-WSC2627A0198 UBN NO.-WSC2627WSOB00323

(उमेश चन्द्र गुप्ता)

अधीक्षण अभियन्ता जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग कोटा

DIPR/C/8217/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, P.W.D. DISTT.DN.II, UDAIPUR

No.: 205 Date: 08.05.2026

Notice Inviting Bid No. 03/2026-27

NIB No.: PWD2627A0397

Bids for Atal Pragati Path 2026-27 work are invited from interested bidders upto 14.05.2026 11.00 AM to 25.05.2026 03.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal ("http://eproc.rajasthan.gov.in" and "http://sppp.rajasthan.gov.in") of the state, and department website. The approximate value of procurement of 1 No. is Rs. 145.00 Lacs.

1 UBN No.: PWD2627WSOB01873

(Anil Khichi)

Executive Engineer,

PWD Distt.Dn.II, Udaipur

DIPR/C/8248/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-द्वितीय सवाई माधोपुर

क्रमांक : 154 दिनांकः 08-05-26

ई-निविदा सूचना संख्याः 03/2026-27 खण्ड-द्वितीय सवाई माधोपुर

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड कार्यालय के अधीन उपखण्डो में खण्ड कार्यालय के अधीन उपखण्डो में वार्षिक अनुबंध के आधार पर वीवीआईपी मूवमेंट कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के यथोचित श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. 1. PWD2627WSOB01865, 2. PWD2627WSOB01866, 3. PWD2627WSOB01867

अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड-द्वितीय सवाई माधोपुर

DIPR/C/8243/2026

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवम् स्वास्थ्य, अजमेर

मृदंग सिनेमा के सामने, श्रीनगर रोड डिस्पेन्सरी के पास, पाल बीचला, अजमेर

दूरभाष नं. : 0145-2424944, ई-मेलः eemhajmer@ymail.com

क्रमांकः ई0 ई0 / अजमेर/26-27/230 दिनांकः 07/05/2026

निविदा सूचना संख्याः 05/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के राशि 221.21 लाख के छः (6) कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट विवरण www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

1. NRH2627WSOB00183, 2. NRH2627WSOB00184, 3. NRH2627WSOB00185, 4. NRH2627WSOB00186, 5. NRH2627WSOB00187, 6. NRH2627WSOB00188

अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, अजमेर

DIPR/C/8232/2026

कार्यालय नगर पालिका सुल्तानपुर जिला कोटा (राज.)

E-mail id – npsultanpur01@gmail.com Ph.No. 07455-294166

क्रमांकः–नपासु0/विकास/2025–26/365–66 दिनांकः07.05.2026

ई–निविदा सूचना.../2025–26

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 88 दिनांक 13.04.2026 के द्वारा कुल 1 कार्य की अनुमानित लागत 45.47 लाख की जाती है । नगर पालिका सुल्तानपुर की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु नियमानुसार डीएलबी में सक्षम श्रेणी एवं अन्य विभागों में A, AA श्रेणी में राज्य सरकार/केन्द्र सरकार से पंजीकृत संवेदकों जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के सक्षम हो से ही ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

Work No.	UBN No.
1	DLB2627WSOB04204

प्रशासक नगर पालिका सुल्तानपुर

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सुल्तानपुर

राज.संवाद/सी/26/2551

कार्यालय नगर परिषद्, सरदारशहर (जिला चुरू)

Ph. 01564-220681, 220030 Email: eonpsdr@gmail.com

क्रमांक :– न.प.स./2026–27/2627–28 दिनांक :– 08.05.2026

निविदा सूचना सं. 08, 09 वर्ष 2026–27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की और से नगर परिषद् सरदारशहर द्वारा 04 कार्यो के लिए ई–निविदा सूचना संख्या 08 वर्ष 2026–27 व 01 कार्य के लिए निविदा सूचना संख्या 09 वर्ष 2026–27 आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्नानुसार है। विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर तथा कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद् सरदारशहर के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकता है।

S.No.	निविदा संख्या	NIB CODE	UBN CODE
01	ई–निविदा सूचना सं. 08 वर्ष 2026–27	DLB2627A1555	DLB2627WSOB04158 DLB2627WSOB04159 DLB2627WSOB04160 DLB2627WSOB04161
02	निविदा सूचना सं. 09 वर्ष 2026–27	DLB2627A1557	DLB2627WSOB04164

आयुक्त

राज.संवाद/सी/26/2622 नगर परिषद् सरदारशहर

राजस्थान सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर

मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आमंत्रण सूचनाः-

क्रमांक-F.32 (B) (After Policy 2026-27)/EX/L/2026-06481-9018219/91 दिनांक-यथाहस्ताक्षर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा क्रमांक प.4 (1) वित्त/

मुख्यमंत्री भजनलाल ने माँ कामाख्या देवी मंदिर में हवन किया

वे असम के मुख्यमंत्री हिमन्त बिस्वा सरमा के शपथ-ग्रहण समारोह में भी शामिल हुए

- गुवाहाटी में माँ कामाख्या देवी मंदिर में पूजा-अर्चना के समय उनकी पत्नी भी साथ थी। मंदिर ट्रस्ट की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत व अभिनंदन किया गया तथा मंदिर का प्रतिकात्मक मॉडल उन्हें भेंट किया गया।

गुवाहाटी/जयपुर, 12 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को असम के गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में सपत्नीक दर्शन किए। उन्होंने हवन में आहुति दी तथा पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की।

मुख्यमंत्री ने मंदिर में आए श्रद्धालुओं से आत्मीय मुलाकात की और बच्चों को दुलार भी किया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर मंदिर आए प्रवासी राजस्थानियों में उत्साह नजर आया। इससे पहले मंदिर ट्रस्ट की ओर से मंदिर का प्रतीकात्मक मॉडल भेंट कर मुख्यमंत्री रा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में उन्होंने डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा को मुख्यमंत्री एवं अन्य विधायकों को मंत्री पद की शपथ लेने पर शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार असम में सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी तथा विकास के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा से मुलाकात की एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई दी।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के सदस्यों सहित, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रीगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को असम के गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में सपत्नीक दर्शन किए।

अन्नाद्रमुक के बागी नेता मुख्यमंत्री विजय से मिले

- यह माना जा रहा है करीब 30 बागी विधायक बुधवार को विधानसभा में टीवीके को समर्थन देंगे

चेन्नई, 12 मई। तमिलनाडु में बहुमत के जादुई आंकड़े को लेकर मची सियासी खींचतान के खेल में अब एक और अध्याय जुड़ गया है। विधानसभा में होने वाले बहुमत परीक्षण से पहले मुख्यमंत्री विजय ने मंगलवार को बागी एआईएडीएमके नेताओं एसपी वेलुमणि और सीवी षणमुगम से मुलाकात की। यह मुलाकात इस वजह से भी खास मानी जा रही है, क्योंकि लगभग 30 विधायकों के समर्थन का दावा करने वाले ये नेता कल यानी बुधवार को विधानसभा में टीवीके को समर्थन दे सकते हैं। टीवीके प्रमुख विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के पहले से ही कई सियासी दलों से समर्थन पा लिया था। हालांकि, इसके बावजूद सरकार में अनिश्चितता का माहौल है। विधानसभा में बहुमत परीक्षण न होने तक ऐसा सियासी माहौल बने रहना कोई बड़ी बात नहीं है। इस बीच एआईएडीएमके नेता षणमुगम और वेलुमणि ने विजय का समर्थन करने की खुलकर वकालत की। आशंका गहरा गई है कि लगभग 30 विधायकों का ये गुट एआईएडीएमके में टूट की वजह बन सकता है।

विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने पर फोकस हो तभी, विदेशी मुद्रा अर्जित हो पाएगी

फैडरेशन ऑफ एसोसिएशन्स इन इंडिया टूरिज़्म एण्ड हॉस्पिटैलिटी ने प्र.मंत्री मोदी की अनावश्यक विदेश यात्रा नहीं करने की अपील का समर्थन करते हुए सुझाव दिया

- फैडरेशन के महासचिव राजीव मेहरा ने बताया, गत दशक में भारतीयों की विदेश यात्रा में भारी वृद्धि हुई है, इसमें भारी विदेशी मुद्रा खर्च होती है, पर विदेश यात्रा कम करने से थोड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है, भारत को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को भारत लाने पर फोकस करने वाली नीति बनानी चाहिए।
- राजीव मेहरा ने कहा कि भारत में पर्यटन की अपार संभावना है, पर भारत हर साल 2 करोड़ विदेशी पर्यटक ही खींच पाता है, जबकि कई छोटे देशों में इससे कई गुना ज्यादा पर्यटक जाते हैं।
- मेहरा ने कहा कि भारत को पर्यटन क्षेत्र में पर्याप्त निवेश करना होगा, तभी वह इस क्षेत्र में टिक सकेगा।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ते दबाव के बीच नागरिकों से गैर-आवश्यक विदेश यात्रा को एक वर्ष के लिए स्थगित करने का आग्रह करने के एक दिन बाद, फैडरेशन ऑफ एसोसिएशन्स इन इंडिया टूरिज़्म एण्ड हॉस्पीटैलिटी (एफएआईटीएच) ने इस अपील का समर्थन किया, लेकिन साथ ही जोर दिया कि भारत को विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने के लिए अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने पर भी ध्यान देना चाहिए।

फैडरेशन के महासचिव राजीव मेहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री के बयान वर्तमान वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं, खासकर अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच, जिसने ऊर्जा बाजारों में भारी अस्थिरता पैदा की है और ऊर्जा जरुरत के लिए आयात पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ाया है।

मेहरा ने कहा, "प्रधानमंत्री का बयान देश की चुनौतीपूर्ण विदेशी मुद्रा स्थिति पर चिंता को दर्शाता है, खासकर ऐसे समय में जब भू-राजनीतिक तनाव वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता पैदा कर रहे हैं। ऐसे हालात में, जहाँ संभव हो, कीमती विदेशी मुद्रा की बचत करना महत्वपूर्ण हो जाता है।"

उन्होंने प्रधानमंत्री के आ ान के व्यापक भाव का समर्थन करते हुए नागरिकों से विदेशी खर्च को कम करने का आग्रह किया, जिसमें छुट्टियों में विदेश यात्रा और विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग्स शामिल हैं।

पिछले दशक में, भारत से बाहरी पर्यटन में तेज वृद्धि हुई है, जिसमें लाखों भारतीय हर साल छुट्टी मनाने खरीददारी, शिक्षा और मनोरंजन के लिए विदेश यात्रा करते हैं। इसके साथ ही, थाईलैंड, यूएई, तुर्की, इटली और बाली जैसे देशों में डेस्टिनेशन वेडिंग्स भी अधिक लोकप्रिय हो गई हैं, जिनमें भारी विदेशी मुद्रा खर्च होती है।

मेहरा ने कहा कि हालांकि बाहरी पर्यटन कम करने से थोड़े समय के लिए विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है, लेकिन भारत को समानांतर रणनीति अपनानी चाहिए, जिसमें आने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों से विदेशी मुद्रा राजस्व को पर्याप्त रूप से बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित किया गया हो।

उन्होंने कहा, "विदेशी मुद्रा बचाना समीकरण का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि और अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को भारत लाकर विदेशी मुद्रा अर्जित करना।"

फैडरेशन के अनुसार, विशाल सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और भौगोलिक विविधता के बावजूद, भारत वैश्विक पर्यटन में काफी कम प्रदर्शन कर रहा है। मेहरा ने कहा कि भारत हर साल केवल लगभग दो करोड़ विदेशी पर्यटक ही आकर्षित करता है, जो इसकी क्षमता से और कई छोटे देशों की तुलना में काफी कम है, जिन्होंने मजबूत पर्यटन अर्थव्यवस्थाएँ बनाई हैं।

उन्होंने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक देश, जिसे विशाल प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक समृद्धि, आध्यात्मिकता और विश्व-स्तरीय ऐतिहासिक स्मारकों का वरदान मिला है, इतनी सीमित संख्या में विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करता है। यदि उचित नीति समर्थन और वैश्विक विपणन प्रयास किए जाएँ, तो भारत दुनिया के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों में से एक बन सकता है।"

फैडरेशन ने एक व्यापक पर्यटन रणनीति की वकालत की, जिसमें आसान वीज़ा नियम, विस्तारित अंतरराष्ट्रीय हवाई संपर्क, बेहतर पर्यटन बुनियादी ढांचा और मजबूत विदेशी प्रचार अभियान शामिल हैं।

उद्योग निकाय ने कहा कि जटिल वीज़ा प्रक्रियाएँ कई अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को निरुत्साहित करती हैं, खासकर जब प्रतिस्पर्धी गंतव्य देश आसान प्रवेश प्रणाली और आक्रामक पर्यटन विपणन प्रदान करते हैं। फैडरेशन ने प्रमुख पर्यटन मार्गों में अंतिम-छोर तक कनेक्टिविटी, शहरी स्वच्छता, सुरक्षा मानकों और आगंतुक सुविधाओं को बेहतर बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

मेहरा ने आगे कहा कि भारत का विदेशी पर्यटन प्रचार वैश्विक मानकों से काफी पीछे है और यदि देश प्रमुख पर्यटन-आधारित अर्थव्यवस्थाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहता है तो इसमें पर्याप्त निवेश की आवश्यकता है।

पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र का मानना है कि आने वाले पर्यटक विदेशी मुद्रा आय, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास का एक प्रमुख स्त्रोत बन सकते हैं, खासकर जब वैश्विक अनिश्चितताएँ व्यापार और पूंजी प्रवाह को प्रभावित कर रही हैं।

प्रधान मंत्री मोदी का यह आ ान भारत के आयात बिल पर बढ़ती चिंताओं के बीच आया है, विशेष रूप से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण, यह पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट से जुड़ा है। विश्लेषकों का मानना है कि गैर जरुरी कारणों से विदेशी मुद्रा बाहर जाने की प्रवृतियों को कम करना और साथ ही उन क्षेत्रों को मजबूत करना, जो विदेशी मुद्रा की आय उत्पन्न कर सकते हैं, भारत को बाहरी आर्थिक दबावों से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने में मदद कर सकता है।

कूनो नैशनल पार्क में चार चीता शावकों की मौत

एक माह पूर्व इन चारों शावकों का जन्म हुआ था

- आशंका है कि किसी अन्य जंगली जानवर ने इनका शिकार किया है पर मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता लगेगी।

श्योपुर, 12 मई। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में एक माह पहले जन्मे मादा चीता केजीपी-12 के चारों शावकों की मौत हो गई। मंगलवार सुबह जब मॉनिटरिंग टीम श्योपुर टेरिटोरियल डिवीजन पहुंची, तब उन्हें डेन साइट के पास चारों शावकों के शव मिले। वन विभाग ने प्रेस नोट जारी कर इसकी पुष्टि की है।

विभाग ने जानकारी दी कि एक महीने पहले 11 अप्रैल 2026 को चारों शावकों का जन्म हुआ था। मॉनिटरिंग टीम ने 11 मई की शाम को इन्हें अंतिम बार जीवित देखा था। ये महज एक महीने के थे। मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे गश्ती टीम जब नियमित मॉनिटरिंग के लिए पहुंची, तो मांद के पास चारों शावकों के शव मिले। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि किसी अन्य जंगली जानवर ने इनका शिकार किया है, हालांकि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम के बाद ही सामने आएगी।

घटना के बाद गश्ती दल ने तुरंत वरिष्ठ वन अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलने पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंची टीम ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया और सैंपल कलेक्ट करने की प्रक्रिया शुरू की गई। पूरे इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी गई है। घटना के बाद पूरे कूनो क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और वन विभाग की टीम लगातार इलाके की जांच कर रही है। राहत की बात यह है कि मादा चीता केजीपी-12 पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ बताई जा रही है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत की असली वजह साफ हो सकेगी। वन विभाग की टीम लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल मादा चीता सामान्य व्यवहार कर रही है, लेकिन सुरक्षा बढ़ा दी गई है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

वन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इस घटना के बाद देश में कुल चीतों की संख्या घटकर 53 रह गई है। इनमें से 50 चीते कूनो नेशनल पार्क में और तीन चीते गांधी सागर अभयारण्य में मौजूद हैं। इनमें से 33 चीते भारत में जन्मे हैं।

पीएम आवास के पास की तीन झुग्गी बस्ती हटा सकते हैं- हाईकोर्ट

- अदालत ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के कारण इन झुग्गियों को खाली कराया जायेगा

नई दिल्ली, 12 मई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री आवास के नजदीक बसी तीन झुग्गी बस्तियों को हटाने की अनुमति दे दी है। जस्टिस पुरुषेन्द्र कौरव की बेंच इन झुग्गियों में रहने वालों को निर्देश दिया कि वे दो हफ्ते में जगह खाली कर दें।

कोर्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास के पास की ये झुग्गियां अनाधिकृत हैं। कोर्ट ने इन झुग्गियों में रहने वालों को बुनियादी सुविधाओं के साथ सावदा घेवरा में पुनर्वासित करने का आदेश दिया। कोर्ट ने प्रशासन को ये सुनिश्चित करने को कहा कि पुनर्वास के दौरान झुग्गियों में रहने वाले लोगों को न्यूनतम बाधा होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि केन्द्र सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता एक वैध वजह है, जिसकी वजह से इन झुग्गियों को खाली कराया जाएगा।

इस मामले की सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार ने कहा था कि ये झुग्गियां सैन्य संस्थानों के बिल्कुल नजदीक हैं, जो काफी संवेदनशील इलाका है। केन्द्र सरकार ने वैश्विक सुरक्षा परिस्थितियों का जिक्र करते हुए कहा था कि ऐसे स्थानों पर अनाधिकृत ढ ांचे खड़े नहीं किए जा सकते हैं और ये राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ मसला है। केन्द्र सरकार ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास से करीब 45 किलोमीटर दूर सावदा घेवरा में बनी पुनर्वास कालोनियों में सात सौ से ज्यादा प्रभावितों को बसाया जा रहा है। इनमें से 192 ने दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड की ओर से जारी आवंटन पत्र स्वीकार कर लिया है। 136 ने तो फ्लैट का कब्जा भी ले लिया है।

दरअसल, उच्च न्यायालय में तीन झुग्गियों भाई राम कैंप, मस्जिद कैंप और डीआईडी कैंप के निवासियों ने याचिका दायर की थी। ये झुग्गियां दिल्ली रेस क्लब और जयपुर पोलो ग्राउंड के नजदीक हैं। केन्द्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने इन झुग्गियों के निवासियों को हटाने के लिए अक्टूबर 2025 और फरवरी 2026 में नोटिस जारी किया था।

पाकिस्तान से बातचीत का रास्ता बंद नहीं करना चाहिये- होसबाले

नई दिल्ली, 12 मई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक चुभन जरूर है, लेकिन पड़ोसी देश (पाकिस्तान) के साथ बातचीत के दरवाजे बंद नहीं होने चाहिए। बता दें कि दत्तात्रेय होसबाले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बाद संघ के दूसरे सबसे बड़े नेता हैं।

आरएसएस महासचिव ने न्यूज एजेंसी से कहा कि अगर पाकिस्तान एक सुई की नोक की तरह पुलवामा जैसी घटनाएं करने की कोशिश करता है, तो हमें हालात के हिसाब से सही जवाब देना होगा।

मु.मंत्री के नाम पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की पूरी जानकारी थी और उनसे कुछ भी छुपाया नहीं गया। कहा जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी, एआईसीसी से वेणुगोपाल को हटाना चाहती है, लेकिन नेतृत्व को समग्र तस्वीर पर ध्यान देना होगा। पाँच राज्यों के चुनावों के बाद सभी सरकारें और मुख्यमंत्री अपने पदों पर हैं, सिवाय कांग्रेस केरल इकाई के, जो अभी अनिश्चित स्थिति में है। सूत्रों के अनुसार, प्रयास किए जा रहे हैं कि सतीशन को शांत किया जाए, क्योंकि राहुल गांधी वेणुगोपाल को केरल भेजना चाहते हैं, लेकिन वेणुगोपाल केवल मुख्यमंत्री बनने के वचन पर ही शांत होने को तैयार हैं। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, निर्णय अब होगा, जल्दी या देर से। पार्टी यह संदेश नहीं भेजना चाहती कि वह अस्थिरता, निर्णयहीनता और अनिश्चितता की स्थिति में है।

पेपर लीक के कारण नीट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिया गया। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि मई 2026 चक्र के लिए पंजीकरण डेटा, उम्मीदवार विवरण और परीक्षा केन्द्र वैध रहेंगे। नए पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी और कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

नीट (यूजी), जो भारत भर में , एमबीबीएस, बीडीएस और अन्य अंडरग्रेजुएट मेडिकल कोर्सों में प्रवेश के लिए एकल प्रवेश परीक्षा है, 3 मई को भारत के 551 शहरों में 5,400 से अधिक केन्द्रों और विदेश के 14 शहरों में पे-एंड-पेपर मोड में आयोजित की गई थी। करीब 22.79 लाख छात्रों ने इस परीक्षा में भाग लिया था।

हिमंत बिस्वा सरमा दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने

गुवाहाटी, 12 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। असम में भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार सरकार का गठन हुआ है। गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित भव्य समारोह में डॉ. सरमा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा समेत, राजग शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में शपथ ली।

आज हो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस-नेतृत्व वाली यूडीएफ ने विधानसभा की 140 सीटों में से 102 पर शानदार जीत दर्ज की, और यह एक दशक के बाद ऐतिहासिक वापसी है।

एसआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

3 फरवरी 2021 को जारी मूल विज्ञापन तथा 7 जून 2021 को जारी शुद्धि पत्र के अनुसार ही प्रभावी रहेंगी। अभ्यर्थियों को विस्तृत दिशा निर्देशों के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट देखने की सलाह दी गई है। आयोग ने बताया कि 16 मई से 30 मई 2026 तक अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और पत्राचार का पता अपडेट कर सकेंगे। यदि किसी अभ्यर्थी ने अपनी एसएसओ आईडी बदल दी है, तो वह 'फेच एप्लीकेशन फॉर्म' विकल्प के माध्यम से पुरानी आईडी का डेटा नए प्रोफाइल में ट्रांसफर कर सकेगा। इससे पूर्व आवेदन से जुड़ी जानकारी नए सिस्टम में सुरक्षित रूप से जुड़ जाएगी। भर्ती प्रक्रिया के तहत सभी अभ्यर्थियों को वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया अपडेट करना जरूरी होगा। जिन अभ्यर्थियों को आवेदन में कोई संशोधन नहीं करना है, उन्हें भी एडिट मोड में जाकर लाइव फोटो, हस्ताक्षर और अंगूठा निशानी के उपयोग के लिए अनिवार्य सहमति देनी होगी। इसके बाद फाइनल सब्मिट बटन पर क्लिक कर रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करना होगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह प्रक्रिया पूरी किए बिना आवेदन सब्मिट नहीं माना जाएगा।

अमेरिका, पाकिस्तान की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कूटनीति के क्षेत्र में भी पूरी हो।"

ट्रम्प ने तीव्र प्रतिक्रिया देते हुए ईरान के प्रस्ताव को खारिज किया और चेतावनी दी कि अस्थिर संघर्ष विराम अब "लाइफ सपोर्ट पर" है।

ट्रंप ने कहा, "वो जो कचरा हमें भेजा, उसे पढने के बाद मैंने इसे पूरा नहीं पढा। वे लाइफ सपोर्ट पर हैं। संघर्ष विराम बड़े पैमाने पर लाइफ सपोर्ट पर है।" उन्होंने यह भी दोहराया कि ईरान को सैन्य रूप से कमज़ोर किया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि संघर्ष विराम के दौरान तेहरान द्वारा किये गये किसी भी सैन्य पुनर्निर्माण को "लगभग एक दिन में नष्ट किया जा सकता है।"

इस बीच, बढ़ती आलोचना के बीच, पाकिस्तान ने सी.बी.एस. की रिपोर्ट को जोरदार रूप से खारिज किया और इसे "भ्रामक और सनसनीखेज" बताया।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा, "पाकिस्तान पूरी तरह से सी.बी.एस. न्यूज़ की रिपोर्ट को भ्रामक और सनसनीखेज मानता है, जिसमें नूर खान एयरबेस पर ईरानी विमानों की उपस्थिति का उल्लेख है।"

इस्लामाबाद ने कहा कि संघर्ष विराम अवधि और वार्ता के पहले दौर के दौरान, कई ईरानी और अमेरिकी विमान केवल कूटनीतिक कर्मचारियों, सुरक्षा टीमों और प्रशासनिक कर्मचारियों की आवाजाही के समर्थन के लिए पाकिस्तान आए थे।

पाकिस्तान के अनुसार, रावलपिंडी में वर्तमान में खड़े ईरानी आर.सी.-130 विमान का संघर्ष विराम अवधि के दौरान आगमन हुआ और इसका किसी भी सैन्य आपात स्थिति या संरक्षण व्यवस्था से "कोई भी संबंध नहीं था।" पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने कहा, "इसके विपरीत दावे अनुमानित, भ्रामक और तथ्यात्मक संदर्भ से पूरी तरह अलग हैं।" मंत्रालय ने यह भी जोड़ा कि पाकिस्तान संवाद और तनाव कम करने के प्रयासों में "निष्पक्ष, रचनात्मक और जिम्मेदार मध्यस्थ" के रूप में कार्य कर रहा है।

फिर भी, इस विवाद ने वाशिंगटन में राजनीतिक प्रतिक्रिया को जन्म दिया। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम, जो ट्रम्प के करीबी सहयोगी हैं, ने सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान की तटस्थता पर सवाल उठाया।

ग्राहम ने एक्स पर लिखा, "यदि यह रिपोर्टिंग सटीक है, तो इसके लिए पाकिस्तान की ईरान, अमेरिका और अन्य पक्षों के बीच मध्यस्थ के रूप में भूमिका का पूर्ण पुनर्मूल्यांकन आवश्यक होगा।"

उन्होंने कहा, "पाकिस्तानी रक्षा अधिकारियों द्वारा इज़रायल के प्रति पूर्व वक्तव्यों को देखते हुए, मुझे आश्चर्य नहीं होगा, अगर यह सच हो।"

अब, जबकि ट्रम्प चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के लिए बीजिंग जा रहे हैं तो यह अटकलें तेज हो गई हैं कि चीन पश्चिम एशिया को स्थिर करने के प्रयासों में अधिक प्रभावशाली खिलाड़ी के रूप में उभर सकता है, खासकर जब पाकिस्तान की, मध्यस्थ की भूमिका में विश्वास कमज़ोर होता दिख रहा है।

भारत ने रूस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपग्रह ट्रैकिंग से छुपाना बहुत कठिन है।

भारत अधिकृत रूसी एलएनजी खरीदने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन उसकी अधिकांश मात्रा यूरोप के लिए है। चीन भी रूस की प्रतिबंधित और गैर-प्रतिबंधित, दोनों प्रकार की एलएनजी का प्रमुख खरीदार बना हुआ है। सूत्रों ने आगे कहा, मॉस्को भारत के साथ एलएनजी और उर्वरक, जैसे पोटाश, फास्फोरस और यूरिया आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक समझौते करने की कोशिश कर रहा है। ईरान संघर्ष के कारण होर्मुज़ स्ट्रेट मार्ग से शिपिंग बाधित होने से पहले, भारत अपनी गैस खपत का लगभग आधा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता था, जिसमें से लगभग 60 प्रतिशत इसी जलमार्ग से आता था। इसके अलावा, अपनी क्रूड तेल की आधी से अधिक आपूर्ति भी इसी रास्ते से होती थी। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नागरिकों से ईंधन और विदेशी मुद्रा बचाने के लिए घर से काम करने, विदेशी यात्रा सीमित करने और सोने व खाद्य तेल के आयात को कम करने का आग्रह किया।

'एक ज्योतिषी को ओएसडी का पद क्यों, क्या कोई बताएगा'

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय द्वारा ज्योतिषी को अपना राजनैतिक ओएसडी नियुक्त करने पर कांग्रेस सांसद ने सवाल किया

- कुछ सोशल एक्टिविस्ट ने भी मु.मंत्री विजय के इस निर्णय पर प्रश्न चिन्ह लगाया और कहा, सरकार जवाबदेही और प्रोफेशनलिज़्म पर चलनी चाहिए अंधविश्वास पर नहीं।
- ज्योतिषी राधान पंडित टीवीके पार्टी के प्रवक्ता हैं और लंबे समय से विजय के सलाहकार हैं। बताया जाता है कि उन्हीं के कहने पर शपथ ग्रहण का समय शाम पौने चार से बदल कर सुबह दस बजे किया गया था।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की छवि को खराब करने के लिए लगता है, एक सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है, क्योंकि तमिलनाडु के प्रमुख ज्योतिषी और तमिझागा वेत्रि कझगम (टीवीके) प्रवक्ता राधन पंडित वेत्रिवेल को नई सरकार में मुख्यमंत्री के ओएसडी (राजनीतिक) के रूप में नियुक्त करने को लेकर अनावश्यक रुप से विवाद खड़ा किया जा रहा है।

पंडित, जिन्होंने हाल ही में विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान उल्लेखनीय भूमिका निभाई थी, को टीवीके नेतृत्व का करीबी सहयोगी माना जाता है और वे पार्टी की आउटरीच गतिविधियों में सक्रिय रहे। मई 10 को विजय के शपथ ग्रहण समारोह को अपरान्ह 3:45 बजे से उसी दिन सुबह 10 बजे करने का निर्णय पंडित वेत्रिवेल की सलाह पर लिया गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, रिक्की राधन पंडित वेत्रिवेल को मुख्यमंत्री का ओएसडी (राजनीतिक) नियुक्त किया जाता है, यह आदेश नियुक्ति की तिथि से प्रभावी होगा। इस संबंध में शर्तें और नियम अलग से जारी किए जाएंगे। पंडित वेत्रिवेल विजय के निजी ज्योतिषी हैं और उन्होंने अभिनेता-राजनेता को उनके राजनीतिक सफर में निरंतर सलाह दी है। हालांकि, कांग्रेस में कुछ लोगों को यह नियुक्ति पसंद नहीं आई, जो विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार के गठबंधन सहयोगी हैं।

थिरुवल्लुर के कांग्रेस सांसद ससीकांत सेनथिल ने पूछा: "मुझे समझ नहीं आता। एक ज्योतिषी को ओएसडी पद की आवश्यकता क्यों होगी? क्या कोई समझा सकता है?"

सामाजिक कार्यकर्ता विजय कुम्भार ने भी नियुक्ति की आलोचना की और कहा कि तमिलनाडु को ऐसे प्रशासन की आवश्यकता है जो योग्यता, पेशेवराना क्षमता (प्रोफेशनलिज़्म) और जवाबदेही पर आधारित हो, न कि अंधविश्वास और व्यक्तिगत निष्ठा पर।

उन्होंने एक्स पर लिखा, "मुख्यमंत्री के ओएसडी के रूप में निजी ज्योतिषी को नियुक्त करना सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में परेशान करने वाला संदेश देता है और संस्थागत विश्वसनीयता को कम करता है। सार्वजनिक पद अंधविश्वास या पक्षपात की जगह नहीं है।"

हालांकि, मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स इस नियुक्ति की रिपोर्टिंग करते समय इस तथ्य की उपेक्षा कर रहे हैं कि ज्योतिष और ज्योतिषियों की सलाह, कुछ के अलावा, लगभग सभी राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा मांगी जाती रही है। पिछले पांच दशकों में राजनीतिक रिपोर्टिंग के अनुभव के आधार पर, लेखक ने कहा कि बड़े और छोटे नेता ज्योतिषियों की सलाह लेते रहे हैं। यहां तक कि देश की स्वतंत्रता की घोषणा के लिये मध्यरात्रि समय भी उज्जैन के प्रसिद्ध ज्योतिषी पंडित सूर्यनारायण व्यास और पंडित हरिदेव शर्मा त्रिवेदी ने सुझाया था।

अनावश्यक विवाद खड़ा करना केवल यह दिखाता है कि देश में अधिकांश लोग दोहरी मानसिकता अपनाते हैं। वे निजी तौर पर जिन चीजों का समर्थन करते हैं, और उन्हें पसन्द करते हैं, उन्हीं की सार्वजनिक रूप से आलोचना करते हैं।

इस बीच, विजय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में आज पूजा स्थलों, शैक्षिणक संस्थानों और बस स्टेशनों से 500 मीटर की दूरी के अन्दर संचालित 717 सरकारी टीएएसएमएसी शराब रिटेल आउटलेट्स को दो सप्ताह के भीतर बंद करने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने इस कदम से पहले राज्यव्यापी सर्वेक्षण का आदेश दिया था, ताकि संवेदनशील सार्वजनिक क्षेत्रों के पास स्थित शराब की ऐसी दुकानों को चिन्हित किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय जनहित और सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों द्वारा उठाई गई लंबित चिंताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -